• वर्ष-3
• अंक-306
रायपुर, रविवार
04 अगस्त 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सलमान खान से बेहद डरती है जरीन

उद्धव ने शाह को बताया अहमद शाह अब्दाली का राजनीतिक वंशज

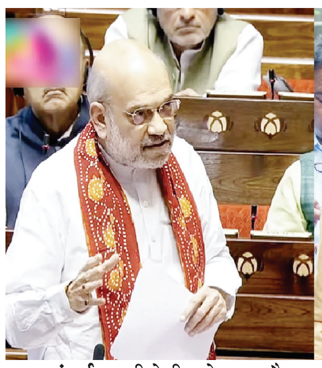

मुंबई। बीजेपी नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ दिन पहले पुणे के बालेवाड़ी में बैठक की थी। इस बैठक में अमित शाह ने शिव सेना उद्धव गुट की आलोचना की। अमित शाह ने कहा था कि उद्धव गुट ने कांग्रेस के पक्ष में हिंदुत्व छोड़ दिया है। आज पुणे में शिवसेना उद्धव गुट की बैठक हुई। इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने अमित शाह की जमकर आलोचना की। साथ ही उनकी तुलना अहमद शाह अब्दाली से की है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ दिन पहले पुणे में बीजेपी का एक कार्यक्रम हुआ था। इतिहास पर नजर डालें तो कहना पड़ेगा कि शाहिस्ता खान थोड़ा चतुर था। वह अपनी उंगली पर खेलता था। तीन उंगलियां कट जाने के बाद वह वापस महाराष्ट्र नहीं आए। उद्धव ठाकरे ने परोक्ष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा कि अगर उन्होंने थोड़ी भी अक्ल ली होती तो वह महाराष्ट्र वापस नहीं आते।

उद्धव ने कहा कि लेकिन वह (अमित शाह) वापस क्यों आये? लेकिन महाराष्ट्र की जनता ने जो झटका दिया, वो किसी पर भारी पड़ गया। वे यही देखने आये थे। अहमद शाह अब्दाली का एक राजनीतिक वंशज पुणे आया। वो अहमद शाह थे और ये अमित शाह हैं।

यहां अहमद शाह की राजनीतिक शक्ति हिल गई। क्या हमें नवाज शरीफ का केक खाने वालों से हिंदुत्व सीखना चाहिए? उन्होंने कहा कि शिवसेना ने हिंदू धर्म छोड़ दिया है। हमने हिंदू धर्म नहीं छोड़ा है। जैसा कि शंकराचार्य ने कहा था, देशद्रोही हिंदू नहीं हो सकता। उद्धव ठाकरे ने टिप्पणी की कि आपने हमें धोखा दिया है।

उद्धव ठाकरे ने यह भी सवाल उठाया कि आप उनसे आंखें मूंदकर हमारी आलोचना कर रहे हैं। अगर हम कांग्रेस के साथ गठबंधन करते हैं तो क्या हम हिंदू विरोधी हो जाते हैं? तो फिर आपके राजनीतिक पिता श्यामा प्रसाद मुखर्जी मुस्लिम लीग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर क्यों बैठे थे? जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ सरकार बनी. आज भी उन्होंने चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन किया. नायडू किस तरह के हिंदू हैं? क्या नीतीश कुमार हिंदुत्ववादी हैं?

वह वास्तव में औरंगजेब फैन क्लब के सदस्य हैं: फडणवीस

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने शिव सेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर पलटवार किया है। देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे एक निराश व्यक्ति हैं और इस निराशा ने उनके दिमाग पर बुरा असर डाला है। फडणवीस ने जोर देते हुए कहा कि आज के भाषण के बाद उन्होंने दिखाया है कि वह वास्तव में औरंगजेब फैन क्लब के सदस्य हैं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के पुणे में एक बैठक के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह तथा देवेन्द्र फडणवीस पर निशाना साधा था। उद्धव ने कहा था कि अब लड़ाई मैदान में है, मैंने मुंबई में कहा था या तो मैं रहूं या तुम रहो। यहाँ एक पोस्टर है। फोटो में मेरे पैरों के पास एक कलिंगाड (उद्धव ठाकरे, देवेन्द्र फड़णवीस को तरबूज कहते हैं) रखा हुआ है। कुछ लोगों ने सोचा कि मैंने उन्हें (देवेंद्र फड़नवीस) चुनौती दी है। लेकिन, आपको ढेलों को चुनौती नहीं देनी है, आपको उन्हें अपनी उंगली से कुचलना है। आप इतने बड़े नहीं हैं कि मुझे चुनौती दे सकें। कुछ लोगों ने सोचा कि मैंने उन्हें चुनौती दी है... साथ ही, हमें यह समझना चाहिए कि मैं कौन हूं और वह (देवेंद्र फडणवीस) कौन हैं। मैं संस्कारी महाराष्ट्र हूं और तुम लुटेरों की टोली हो। उद्धव ठाकरे ने परोक्ष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा कि अगर उन्होंने थोड़ी भी अक्ल ली होती तो वह महाराष्ट्र वापस नहीं आते। उद्धव ने कहा कि लेकिन वह (अमित शाह) वापस क्यों आये? लेकिन महाराष्ट्र की जनता ने जो झटका दिया, वो किसी पर भारी पड़ गया। वे यही देखने आये थे।

राजनीति का दूसरा नाम है उतार-चढ़ाव', वसुंधरा राजे बोलीं-

पद और मद स्थाई नहीं होते लेकिन...

नई दिल्ली। राजस्थान भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कहा कि राजनीति में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं। हर व्यक्ति इस दौर से गुजरता ही है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि संगठन में सब को एकसाथ लेकर चलना पड़ता है। हालांकि, बहुत सारे लोग इसमें कामयाब नहीं हो पाए हैं।

वसुंधरा राजे ने कहा कि राजनीति का दूसरा नाम उतार-चढ़ाव ही है। हर शख्स इससे गुजरता है। इसमें किसी भी व्यक्ति के सामने तीन चीजें आती हैं और वह पद, मद और कद है। उन्होंने आगे कहा कि पद और मद कभी भी स्थाई नहीं होते हैं और कद स्थाई होता है। वसुंधरा ने कहा कि राजनीति में अगर किसी पद का मद आ जाए तो फिर उसका कद काफी कम हो जाता है।

मदन में पद का मद नहीं आएगा

वसुंधरा राजे ने कहा कि आजकल के लोगों को पद का मद आ ही जाता है, लेकिन मदन ने मेरे साथ काम किया है और उनमें कभी भी पद का मद नहीं आएगा। राजे ने आगे कहा कि

उनकी नजर में अगर कोई बड़ा पद है तो वह केवल जनता की चाहत, जनता का प्यार और जनता का विश्वास ही है। इसको कोई भी व्यक्ति छीन ही नहीं सकता है।

वसुंधरा राजे ने भारतीय जनता पार्टी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास नारे का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का भरोसा है कि मदन राठौड़ इस नारे को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। वह सभी को साथ में लेकर चलेंगे। राजे ने यह भी कहा कि यह काफी मुश्किल काम है और बहुत सारे लोग इसमें कामयाब भी नहीं हो पाए हैं।

बीजेपी के विशाल परिवार का हिस्सा बनने का मौका मिला- वसुंधरा राजे

राजे ने कहा कि मुझे इस बार का भरोसा है कि मदन राठौड़ अपनी भूमिका को सही से निभाएंगे और पूरी लगन से काम करेंगे। वसुंधरा राजे ने कहा कि हम सब की मेहनत से बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। हमारा कार्यकर्ता धन से नहीं मन से काम करता है। विचारधारा की मशाल को आगे लेकर जाता है। मुझे भी विशाल परिवार के सदस्य बनने का सौभाग्य मिला है और बीजेपी हमारा परिवार है। वसुंधरा राजे ने कहा कि पीएम मोदी और जेपी नड्डा ने मदन राठौड़ जैसे ईमानदार कार्यकर्ता को राजस्थान बीजेपी की कमान सौंपी है।

'लोग अदालतों के मामलों से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी भी तरह के समझौते को स्वीकारते है

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने लोक अदालतों के महत्व पर जोर दिया है। उनका कहना है कि लगातार अदालत के चक्कर काटने से लोग तंग आ जाते हैं। इसलिए, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र के रूप में लोक अदालतों की विशेषता बढ़ जाती है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत में अर्जी लगाने वालों के लिए न्यायिक प्रक्रिया एक सजा की तरह है। इस वजह से वे थकाऊ मुकदमेबाजी को समाप्त करने के लिए समझौते की तलाश में रहते हैं। इस दौरान डीवाई चंद्रचूड़ ने लोक अदालतों में निपटाए गए कई मामलों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने एक वाहन दुर्घटना का जिक्र भी किया, जिसमें मजबूत पक्ष होने के बाद भी एक व्यक्ति कम मुआवजे पर मामले को निपटाने के लिए तैयार हो गया था। उन्होंने आगे कहा कि कई मामले ऐसे होते हैं, जहां लोग किसी भी तरह के समझौते को स्वीकार कर लेते हैं क्योंकि उन्हें थकाऊ अदालती प्रक्रिया से बाहर निकलना होता है।

विशेष लोक अदालत के एक समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'लोग अदालत के मामलों से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि वो किसी भी तरह का समझौता कर लेते हैंज्बस कोर्ट से दूर करा दीजिए। एक न्यायाधीश के रूप में हम अक्सर इस समस्या को देखते हैं। यह प्रक्रिया एक सजा की तरह है और ये हम सभी न्यायाधीशों के लिए चिंता का कारण है।' मुख्य न्यायाधीश ने लोक अदालतों के माध्यम से न्याय देने की प्रक्रिया को संस्थागत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता हमेशा से भारतीय संस्कृति का हिस्सा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाभारत में भगवान कृष्ण ने कौरवों और पांडवों के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश की थी।

हरेली तिहार मनाने सज गया मुख्यमंत्री निवास

रायपुर। हरेली तिहार की तैयारियों के लिए सजा मुख्यमंत्री निवास एक छोटे से गांव के रूप में नजर आ रहा है जहां हर तरफ हरेली की धूम है। मुख्यमंत्री निवास एक ग्रामीण मड़ई मेला की तरह सुंदर साजसज्जा में नजर आ रहा है। रहचुली झूला, गेड़ी और सुंदर बैलगाड़ियों से पूरा परिसर हरेली की रौनक से दमक रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय हरेली के अवसर पर परंपरागत तरीके से पूजा करेंगे। हरेली के मौके पर पशुधन की पूजा की जाती है। खेती किसानी की शुरूआत में मनाया जाने वाला यह पर्व धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता को व्यक्त करता है और इस भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री पूजा के पश्चात किसान भाइयों को आधुनिक कृषि उपकरणों का वितरण भी करेंगे।

प्रमुख समाचार

राम मंदिर निर्माण में आई तेजी, बढ़ाए गए 200 मजूदर

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण की गति तेज करने की कवायद शुरू हो गई है। इसी क्रम में पर कोटा निर्माण की गति बढ़ा दी गई है। पर कोटा निर्माण के लिए 200 मजदूरों को और लगा दिया गया है। पर कोट का निर्माण कर अप्रैल 2025 का पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 750 मीटर लंबे व 14 फीट ऊंचे परकोटे में कुल आठ लाख क्यूबिक फीट पत्थर लगने हैं। अब तक करीब 4.25 लाख क्यूबिक फीट पत्थर ही लग पाए हैं। मौसम की प्रतिकूलता और मजदूरों की कमी के चलते पर कोटा निर्माण की गति धीमी हो गई थी। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने भी निर्माण की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की थी। अब मजदूरों की संख्या बढ़ाकर काम की गति तेज कर दी गई है। परकोटा निर्माण का कार्य 50 फीसदी पूरा हो चुका है। सात फीट ऊंचाई तक पत्थर लग गए हैं। छह लाख क्यूबिक फीट पत्थर भी आ चुके हैं। पर कोटे मे बन रहे छह मंदिरों का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। माता भगवती के मंदिर का निर्माण कार्य तेज हो गया है। वहीं राम मंदिर निर्माण के लिए मजदूरों की संख्या भी जल्द बढ़ाई जाएगी।

रॉकेट हमले में मारा गया इस्माइल हानिया

तेहरान। हमास और ईरान दोनों ने इस्राइल पर इस्माइल हानिया की हत्या करने का आरोप लगाया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शनिवार को कहा कि फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के नेता हनिया को तेहरान में करीब सात किलोग्राम विस्फोटक के साथ एक कम दूरी के रॉकेट हमले में मौत के घाट उतारा गया। हानिया की हत्या ऐसे समय में हुई है, जब गाजा में इस्राइली सेना के हमले जारी हैं। दूसरी ओर, लेबनान की सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख की हत्या ने ईरान और इस्राइल के बीच सीधे संघर्ष की आशंका पैदा कर दी है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने हानिया की मौत के लिए इस्राइल को दोषी ठहराते हुए कहा कि हमास नेता की हत्या का बदला उचित समय और स्थान पर लिया जाएगा। हानिया ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। लेकिन हमले के कुछ ही घंटों के बाद उनकी मौत हो गई। ईरान और हमास ने हानिया पर हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया है।

फिर विश्व सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूची में सबसे ऊपर हैं। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और हाल ही में चुने गए ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को पीछे छोड़ दिया है। बता दें कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं की नवीनतम रैंकिंग मॉर्निंग कंसल्ट की तरफ से जारी की गई है। मॉर्निंग कंसल्ट एक वैश्विक निर्णय खुफिया फर्म है जो वैश्विक नेताओं के प्रमुख फैसलों पर नजर रखती है। जानकारी के मुताबिक इस सर्वे का आंकड़ा 8 से 14 जुलाई के बीच एकत्रित किया गया था। वैश्विक निर्णय खुफिया फर्म के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 69 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि मैक्सिकन राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर इस सूची में 63 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जबकि 25 नेताओं की सूची में अंतिम स्थान पर जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा हैं, जिनकी अनुमोदन रेटिंग 16 प्रतिशत है। बता दें कि कि पिछले किए गए सर्वेक्षणों में भी पीएम मोदी वैश्विक रेटिंग में शीर्ष पर थे।

दिल्ली में आईएएस उम्मीदवार ने आत्महत्या की

नई दिल्ली। शनिवार को पुलिस ने कहा नई दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही एक सिविल सेवा उम्मीदवार ने कथित तौर पर अवसाद और दबाव को झेलने में असमर्थता के कारण आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में, उसने सरकार से सरकारी परीक्षाओं में घोटाले कम करने और रोजगार पैदा करने का आग्रह किया, और कहा कि वह आवास के बढ़ते किराए से तनाव में थी। अपने सुसाइड नोट में, छात्रा अंजलि ने जीवन की समस्याओं और शांति की कमी से निपटने में अपनी असमर्थता का विवरण दिया। 21 जुलाई को उसकी आत्महत्या से मृत्यु हो गई, तीन यूपीएससी उम्मीदवारों की मृत्यु से कुछ दिन पहले ओल्ड राजिंदर नगर क्षेत्र में कोचिंग सेंटरों में से एक राउ के स्टडी सर्कल के बेसमेंट में बाढ़ के कारण मृत्यु हो गई थी। अंजलि एक कमरे के लिए 15,000 रुपये का भुगतान करती थी, जिसे सीधे बढ़ाकर 18,000 रुपये कर दिया गया था, उसकी दोस्त श्वेता ने इंडिया टुडे टीवी को बताया। छात्रा ने अपने सुसाइड नोट में लिखा मुझे माफ़ करना मम्मी पापा। मैं अब ज़िंदगी से तंग आ चुकी हूँ, और मेरे पास सिर्फ़ समस्याएँ और मुद्दे हैं, जिनसे मुझे शांति नहीं मिलती। मुझे शांति चाहिए।

हिमाचल में बादलने फटने 50 की मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को कहा कि बादल फटने की घटनाओं से प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 50 लोगों के मरने की आशंका है। सिंह ने कहा कि आधिकारिक संख्या आधिकारिक पुष्टि और खोज एवं बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही घोषित की जा सकती है। मंत्री ने शनिवार को समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि इस समय सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता शवों को निकालना और राज्य के बाढ़ प्रभावित हिस्सों में कनेक्टिविटी बहाल करना है। कांग्रेस नेता ने बताया कि 2-3 दिन पहले श्रीखंड पर्वत चोटी पर बादल फट गया था। इसके चलते रामपुर और कुल्लू के इलाकों में भारी तबाही हुई है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी इलाके का दौरा किया। उन्होंने भी स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को जानकारी दी। हमने विभिन्न स्थानों पर बेली ब्रिज स्थापित करना शुरू कर दिया है। जगह-जगह पुलिस जवानों की तैनाती की जा रही है. प्रशासन सभी से समन्वय बना रहा है. एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, राज्य पुलिस, होम गार्ड के जवान मिलकर बचाव अभियान चला रहे हैं।

सत्ता हो विपक्ष, राजनीति तो स्वाभाविक है

उमेश चतुर्वेदी

विपक्षी कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार ने बजट को लेकर राजनीति की है। विपक्ष का आरोप है कि इस बजट में नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू ने अल्पमत सरकार को समर्थन देने की कीमत वसूली है। आरोप यह भी है कि सरकार बचाने के लिए बीजेपी ने बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज दिया है, जबकि अन्य राज्यों को कुछ खास हासिल नहीं हुआ है। आरोप को बढ़ाते हुए विपक्ष यहां तक कह रहा है कि यह पूरे देश का बजट नहीं है। कांग्रेस तो यहां तक कह रही है कि मौजूदा बजट उसके चुनाव घोषणा पत्र की कॉपी है।

जहां तक बजट में राजनीति का सवाल है तो शायद ही कोई सरकार या दल होगा, जिसने अपने कार्यकाल में प्रस्तुत बजट में राजनीति ना की होगी। हर राजनीतिक दल की अपनी विचारधारा है, उसका अपना एजेंडा होता है, उसका अपना वोट बैंक होता है। बजट हो या अन्य सरकारी फैसले, हर राजनीतिक दल और सरकार अपने कदम उठाते वक्त उनका ध्यान रखती है। इसके साथ ही हर राजनीतिक दल अपने भावी और लक्षित वोट बैंक को लुभाने के लिहाज से भी फैसले लेता है। हर राजनीतिक दल की चाहत होती है कि उसका मौजूदा वोट आधार बढ़े। इस लिहाज से भी वह अपने राजनीतिक फैसले लेता है और उसकी सरकारें भी अपनी नीतियां इसी हिसाब से बनाती और बढ़ाती हैं। इस नजरिए से देखें तो अगर मोदी सरकार ने नीतीश और नायडू के राज्यों को कुछ विशेष सहूलियतें दी है तो कोई गलत नहीं है। अगर बिहार बाकी राज्यों की तुलना में पिछड़ा है, वह जनसंख्या पलायन का दंश झेलने को मजबूर है तो हर सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि उस देश के साथ कदमताल करने के लिए बिहार को अगर सहूलियत देनी पड़ी तो दे। मदद का हाथ बढ़ाना पड़े तो बढ़ाए। अगर आंध्र प्रदेश को भी मदद की दरकार हो तो मिलनी चाहिए। सिर्फ बिहार और आंध्र ही नहीं, जो राज्य पिछड़ा है, उसे आगे लाने और उसे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मदद की स्पष्ट नीति होनी चाहिए। अव्वल तो हम देश को एक इकाई के तौर पर देखने का दावा करते हैं। अपना संविधान नागरिक को देश की मूल इकाई घोषित करता है। इस लिहाज से हर नागरिक बराबर है। लेकिन आर्थिक और सामाजिक नजरिए से देखें तो हर नागरिक बराबरी की बेंच पर नहीं बैठा है। समान मतदान और कानून के सामने बराबरी के अधिकार ने एक हद तक बराबरी की इस अवधारणा को जिंदा जरूर रखा है। यह बात और है कि अक्सर अमीर और गरीब के लिए कानूनी पेच और प्रक्रियाएं, यहां तक कि न्यायिक अवधारणा भी बदल जाती है। इन बातों को छोड़ दें तो कम से कम आर्थिक आधार पर बराबरी की ओर बढ़ने की कोशिश होनी चाहिए। प्रशासनिक सहूलियत और सांस्कृतिक आधार पर हमने राज्य गठित कर लिए तो इसका यह मतलब नहीं कि उनकी असमानताओं को अनदेखी की जाए। किसे नहीं पता है कि बिहार के उत्तरी हिस्से में हर साल कोसी नदी प्रलय लेकर आती है। जिससे तकरीबन आधार बिहार नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर रहता है। इसी तरह समूचे देश को पता है कि तेलंगाना के अलग होने के बाद हैदराबाद आंध्र की राजधानी नहीं रहा। उसे राजधानी बनाने के लिए संसाधन चाहिए ही होंगे। इसलिए अगर बिहार और आंध्र को सहूलियतें कुछ ज्यादा मिली भी हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से देखने की बजाय जमीनी हकीकत के लिहाज से समझा जाना चाहिए।

वैसे यह भी अर्ध सत्य ही है कि बाकी राज्यों को बजट में कुछ नहीं मिला। जबकि इस बजट में अगर रेल परियोजनाएं हैं, अगर कृषि बजट को सवा लाख करोड़ से बढ़ाकर एक करोड़ 52 लाख करोड़ कर दिया गया है, अगर सड़क परियोजनाओं की बाढ़ लाई गई है, अगर केंद्रीय करो में राज्यों का हिस्सा बढ़ाया गया है तो इससे किसी एक ही राज्य का भला नहीं होना है, बल्कि देश के हर राज्य को भला होना है। बजट में आदिवासी लोगों के लिए बजट में वित्त मंत्री पूर्वोदय योजना लेकर आई हैं। जिसके जरिए झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। झारखंड को एक और योजना का सीधा फायदा मिलेगा। बजट प्रस्तावों में 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' योजना भी लायी गई है। आदिवासी गांवों और लोगों के विशेष विकास के लिए विशेष रूप से डिजाइन इस योजना का फायदा उन सभी राज्यों को मिलना है, जहां आदिवासी आबादी है। झारखंड में जहां 27 फीसद आबादी जनजातीय है। वहीं उसके पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में करीब 32 फीसद आबादी जनजातीय समुदाय की है। 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के दायरे में 63 हजार गांवों को लाया जाना है। जिससे सीधे तौर पर पांच करोड़ जनजातीय लोगों की जिंदगी बदलने की कोशिश की जानी है। जाहिर है कि इसका फायदा उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के साथ कांग्रेस शासित तेलंगाना को भी मिलेगा, क्योंकि इन्हीं राज्यों में देश का सबसे ज्यादा जनजातीय आबादी रहती है।

कांग्रेस ने युवाओं को लुभाने के लिए तीस लाख खाली पड़े सरकारी पदों को भरने और डिप्लोमा धारक सभी बेरोजगार युवाओं को इंटर्नशिप और एक लाख रूपए सालाना देने का वादा किया था। राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने इस वायदे को खूब प्रचारित किया। राहुल गांधी कहा करते थे कि इस सरकार बनी और उधर खटाखट-खटाखट खाते में पैसे ट्रांसफर होने लगे थे। माना जाता है कि इससे युवाओं का एक वर्ग विपक्ष की ओर आकर्षित भी हुआ।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 04 अगस्त 2024

मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने बरामद किया 10 किलो का आईईडी

नारायणपुर। जिले में सुरक्षाबल माड़ बचाओ अभियान चला रहे हैँ। इसी कड़ी में 2 अगस्त, शुक्रवार को कोहकामेटा थाना से डीआरजी, जिला पुलिस बल और बीएसएफ की 135 वीं वाहिनी और बीडीएस की संयुक्त टीम कच्चापाल, इरभट्टी, तोके की तरफ एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकली। इस दौरान पहले से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया। जवानों ने भी जवाबी फायरिंग की। जवानों को खुद पर भारी पड़ता देख नक्सली पेड़ और पहाड़ की आड़ लेकर मौके पर से फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल की सर्चिंग के दौरान दो आईईडी बरामद किया गया। जिनमें 5-5 किलो का एक पाईप बम और एक कुकर बम शामिल था। बीडीएस की टीम ने आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। फिलहाल जवानों का माड़ा बचाओ अभियान जारी है।

नियद नेल्लानार योजना के तहत अंदरूनी क्षेत्रों में 4 उचित मूल्य की दुकान स्वीकृत

बीजापुर। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत बीजापुर जिले में ग्रामीणों की सुविधा अनुसार उनके मूल ग्राम में नवीन 04 उचित मुल्य की दुकान स्वीकृत किया गया है। विकासखंड उसूर अन्तर्गत ग्राम पंचायत पुतकेल से नवीन दुकान चिल्कापल्ली, ग्राम पंचायत तर्रेम से नवीन दुकान चुटवाही, ग्राम पंचायत चिन्नागेल्लूर से नवीन दुकान पेदागेल्लूर, ग्राम पंचातय चिपुरभटटी से नवीन दुकान पाकेला प्रांरभ किया गया है। उक्त ग्राम के कार्डधारियों को माह अगस्त 2024 से उनके मूल ग्राम में राशन वितरण किया जावेगा। उक्त स्थानों पर नवीन उचित मूल्य दुकान सह भवन की स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ किया गया है।

इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर श्री नारायण गवेल ने बताया कि शासन की अति महत्वपूर्ण योजना नियद नेल्लानार अन्तर्गत ऐसे ग्राम जहां राशन सामग्री लेने 3-4 किलोमीटर का सफर तय करना पडता था उन स्थानों पर कार्डों की संख्या के आधार पर नवीन दुकान स्वीकृत कर प्रारंभ किया गया है। जहां अगस्त 2024 से राशन वितरण होगा। जिससे उक्त ग्राम के कार्डधारियों को उनके मूल ग्राम में राशन मिल पायेगा। ज्ञात हो कि नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत चयनित ग्रामों में चावल के साथ साथ शक्कर, नमक, चना, गुड भी नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। अत: सर्व, उचित मूल्य दुकान संचालकों को प्रतिमाह निर्धारित मात्रानुसार राशन वितरण करने हेतु निर्देशित कर खाद्य निरीक्षकों को दुकानों का सतत मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया है।

- शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

बीजापुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के निहित प्रावधानों के अनुसार अनुविभागीय बीजापुर के अन्तर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान ग्राम पंचायत मनकेली को निरस्त करते हुए उपरोक्त ग्राम पंचायत मनकेली की शासकीय उचित मूल्य दुकान को आबंटित किया जाना है। शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी यथा वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियां लेम्पस ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, वन सुरक्षा समिति अन्य सहकारी समिति राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट सार्वजनिक उपक्रम एवं प्राथमिक साख समितियों से आवेदन पत्र 09 अगस्त 2024 सायं 5 बजे तक आमंत्रित किया गया है। इच्छुक एजेन्सी, समिति, संस्था आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला कार्यालय खाद्य शाखा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बीजापुर में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्लेसमेंट कैंप में 42 युवाओं को मिला रोजगार

कोंडागांव। जिला रोजगार कार्यालय तथा मॉडल कैरियर सेंटर द्वारा 2 अगस्त को जिला रोजगार कार्यालय सह मॉडल कैरियर सेंटर कोंडागांव में सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं सीसीटीवी ऑपरेटर के कुल 410 पदों के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट कैंप में कुल 171 प्रतभागियों ने हिस्सा लिया जिसके विरुद्ध निजी क्षेत्र के नियोक्ता कैपस्टन सिक्योरिटी सर्विस लिमिटेड द्वारा 42 लोगों का प्राथमिक रूप से चयन किया गया।

आवास योजना के तहत निर्माण कार्यों को दें सर्वोच्च प्राथमिकता - सीईओ आलोक

महासमुंद। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस. आलोक ने गुरुवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैठक लेकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्माण कार्यों को पूर्ण करने में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के पूर्णता हेतु शेष रह गए जिले में कुल अपूर्ण 3782 आवासों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शीघ्र ही उसे पूरा कराने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत श्री आलोक ने बताया कि जिले को कुल 73 हजार 266 प्रधानमंत्री आवास निर्माण का लक्ष्य प्रदान किया गया है। जिसके अंतर्गत 94 फीसदी से अधिक पूर्ण कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि अब तक 69 हजार 484 हितग्राहियों के निर्माणाधीन आवासों को पूर्ण कर पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है। सीईओ श्री एस. आलोक ने नोडल अधिकारी सहित जनपद पंचायत के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं विकासखण्ड समन्वयक और तकनीकी सहायकों को लगातार हितग्राहियों से संपर्क स्थापित कर अपूर्ण आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बीच सड़क आपस में भिड़े वर्दीधारी, ये था विवाद...

बिलासपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में दो पुलिसकर्मियों के बीच सड़क पर मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। कोर्ट में अपराधियों की पेशी के दौरान हुए विवाद ने सड़क पर बड़ा रूप ले लिया। सिविल लाइन थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पुलिसकर्मियों को नियंत्रित किया।

विवाद का कारण- मारपीट करने वाले आरक्षक विष्णु चंद्रा और सुनील ठाकुर वर्तमान में पुलिस लाइन में पदस्थ हैं। दो दिन पहले दोनों आरोपियों को जेल से अदालत में पेश करने ले गए थे। मिली जानकारी के अनुसार, पेशी के दौरान विष्णु चंद्रा कोर्ट की बेंच पर सो गया और सुनील ने गवाही करवाई। इस बीच विष्णु चंद्रा की नींद खुलने पर उसने आरक्षक सुनील से सोने के कारण विवाद कर लिया। विवाद के बाद विष्णु ने सुनील को फोन पर गाली दी। फोन पर भी दोनों का विवाद जारी रहा। कोर्ट से वापस आने के बाद, दोनों जेल चौक के पास पहुंचे और वहां उनके बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट होने लगी। दोनों ने एक-दूसरे पर हाथ-मुक्के चलाए। वर्दीधारियों को आपस में लड़ता देख आसपास की भीड़ जमा हो गई और लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इस विवाद के कारण जेल रोड में ट्रैफिक जाम हो गया। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को अलग किया और अपने साथ थाने ले गई।

थाने में भी जारी रहा विवाद- सिविल लाइन थाने की पुलिस के सामने भी दोनों पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे पर लात-मुक्के चलाए। मामले में पुलिस के उच्च अधिकारियों ने जांच और कार्रवाई की बात कही है। इस घटना ने पुलिस विभाग की छवि पर सवाल उठाए हैं और उच्च अधिकारियों द्वारा जांच और सख्त कार्रवाई की उम्मीद है।

आदर्श अच्छे हों तो आचरण भी अच्छा हो जाता हैः ऋषभ सागर

बालोद। परमात्मा का हम पर उपकार है जो जीवन को कैसे जीना यह सिखाता है। जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को आत्मासात करें तो जीवन सरल और शांत हो सकता है। आदर्श अच्छे हों तो आचरण स्वयं अच्छा हो जाता है।

महावीर भवन में चल रहे हैं प्रवचन श्रृंखला में संत ऋषभ सागर महाराज साहब ने जीवन दर्शन पर आधारित अपने उदबोधन में आगे कहा की हमारा आदर्श हमारा रोल मॉडल कैसा हो इसका चयन हमें स्वयं करना है। महान व्यक्ति को आदर्श बनाएंगे तो अच्छे गुणों का आत्मासात होगा ।परमात्मा ने हमें त्याग तपस्या का जो मार्ग दिखाया उससे सहनशीलता और उदारता जैसे मनानीय गुणों में वृद्धि होती है, असक्ति को छोड़ने और अभाव में जीने की कला आ जाती है ।पुण्य प्रबल है और सब कुछ सुविधाएं हैं तो भी समभाव में रहें और पुण्य कम है और अभाव में रहना है तो भी समभावमें रहे। सम भाव में रहने वाला व्यक्ति दुखी परेशान नहीं होता ।उन्होंने कहा की कोई व्यक्ति कोई चीज देना चाह रहा है और हम उससे वाह चीज ना ले तो वह किसके पास रहेगा?

उसी के पास रहेगा, उसी तरह कोई व्यक्ति गलत वचन कह रहा है और हम उसे ना लेना चाहें तो वह उसी के पास रह जाएगा। ऐसी परिस्थिति में भी शांत रहेंतो हमारी शांति भंग नहीं होगी। मन से कमजोर और दुखी व्यक्ति आक्रोश से भरा होता है ऐसे ही व्यक्ति के अतीत को देखें तो लगता हैवह कृपा का पात्र हैं ।कटु वचन के बदले कटूवचन कहने से महाभारत ही होगा । इसलिए सहनशीलता के गुणों को आत्मासात करें ।प्रत्येक व्यक्ति में असीम क्षमताएं होती है लेकिन जिन क्षेत्रों में भी क्षमताओं का उपयोग ना करें वह घटती चली जाती है।

आज दल्ली राजहरा से प्रामोद कोचर एवं कोंडागांव से टीकम चंद्र गोलछा संघ के साथ दर्शन वंदन एवम श्रवण के लिए आए थे। चातुर्मास समिति ने उनका अभीनंदन किया।

गाय का दूध पीकर रैबीज वैक्सीन खोज रहे ग्रामीण, अब तक 200 ने टीका लगवाया

पखांजुर। छत्तीसगढ़ के पखांजूर में ग्राम पीवी-4 के ग्रामीण गाय का दूध और उस दूध से बनी मिठाई खाने के बाद अब रैबीज वैक्सीन लगवाने के लिए दर-दर भटक रहे है. अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा क्या हो गया कि गाय का दूध और उससे बनी मिठाई के बाद ग्रामीणों को रैबीज वैक्सीन लगाने की नौबत आन पड़ी, तो चलिए आपको बताते है ये पूरा मामला क्या है. पखांजूर के विवेकानंद नगर ग्राम 'पीवी-4' का हर बाशिंदा इन दिनों रैबीज होने के डर से जूझ रहा है. वजह ये कि 2 महीने पहले जिन गायों के दूध से बनी मिठाई खाई थी, उनकी मौत हो गई. अब गांव का हर शख्स रैबीज का टीका मांग रहा है. आलम ये है कि जिला मुख्यालय से स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर गांव में कैंप लगाना पड़ गया. अब तक 200 से ज्यादा लोगों का रेबीज वैक्सीन हो भी चुका है. 200 और लोगों को टीका लगाया जाएगा. जानकारी के मुताबिक जिन गायों की मौत

हुई थी उसे पागल कुत्ते ने काटा था. जानकारी के अनुसार, घटना 2 माह पुरानी है. 1 जून को गांव के 3 घरों में पूजा थी. आधे से ज्यादा गांव इन कार्यक्रमों में शामिल हुआ था. तीनों ही जगहों पर प्रसाद के लिए मिठाई एक ही जगह से दूध मंगाया था. ये दूध जिन गायों का था, उन्हें कुछ दिन पहले एक पागल श्वान ने काट लिया था. गाय की मौत होते ही पशु मालिक ने बिना किसी को कुछ बताए अस्पताल जाकर रैबीज का टीका लगवा लिया था. हाल ही में बात जब बाहर आई तो पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया. आलम ये है कि जिसने दूध पिया भी नहीं, वे भी टीका लगवा रहे हैं. गांव में श्वान काटने से जिन गायों की मौत हुई थी, उसी गाय के कच्चे दूध का इस्तेमाल गांव वालों ने किया है. ग्रामीणों में ये बात तेजी से फैल गई है कि कच्चे दूध में रेबीज का संक्रमण फैलने की संभावना ज्यादा होती है इसलिए वहां स्वास्थ्य विभाग ने भी शिविर लगाने शुरू कर दिए है. अब तक 200 लोगो को रेबीज का टीका लगा चुका है और करीब 200 ग्रामीणों को टीका लगना बाकी है.

स्कूली छात्रों ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) का भ्रमण

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहंदा (अ), दुर्ग में कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई के बच्चों ने प्रक्षेत्र में भ्रमण किया। कृषि विज्ञान केन्द्र में उन्होंने खेती के विभिन्न तरीकों एवं कृषि करने की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से देखा।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन ने कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका के बारे में बच्चों को जानकारी दी और कहा कि कैस लैब से लैंड तक हम कृषि की नवीनतम तकनीकी को किसानों तक पहुंचाते है। कृषि विज्ञान केन्द्र को वित्तीय पोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है और संचालन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा किया जा रहा है। जिसमें भारत सरकार और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम तकनीक को किसानों तक पहुंचाया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र की मृदा वैज्ञानिक डॉ. ललिता रामटेके ने कृषि एवं मृदा विज्ञान के बारे में बच्चों को जानकारी दी। जिसमें जैविक खेती, टिकाऊ खेती, वर्टीकल कार्मिग आई.एफ.एस. माडल के बारे में बताया।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के अंतर्गत मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण कराया। नर्सरी पौधों की देखभाल, प्रो ट्रे, हल्दी की खेती, सोयाबीन की खेती, केचुआ खाद उत्पादन, बटेर पालन के बारे में जानकारी दी और भ्रमण कराया। जिसमें बच्चों ने भी उत्सुकता से सभी तकनीकों, प्रदर्शन ईकाइयों को ध्यान से देखा और अपने प्रश्नों को साझा किया। कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रक्षेत्र प्रबंधक श्रीमती सृष्टि तिवारी ने प्रक्षेत्र भ्रमण कराया। वैज्ञानिक तकनीकी भ्रमण कार्यक्रम में कृष्णा पप्लिक स्कूल के शिक्षक प्रतीक पाण्डया एवं सहयोगी उपस्थित थे।

पटवारी को पीटने वाले पति-पत्नी गए जेल...

जशपुर। कुनकुरी में पटवारी की पिटाई करने वाले दंपति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दोनों पति-पत्नी ने कुनकुरी तहसील कार्यालय में पटवारी के साथ गाली-गलौज करते हुये मारपीट की थी। पीड़ित पटवारी की शिकायत पर धारा 296, 221, 132, 115(2), 3(5) एवं 3(2)(5), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। दरअसल, पटवारी प्लासिदियुस टोप्पो ने 31 जुलाई को थाना कुनकुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि यह कुडुकेला नारायणपुर में पटवारी के पद पर पदस्थ है। शासकीय कार्य से तहसीलदार कुनकुरी के कार्यालय में गया था कि उसी समय ईश्वर यादव एवं उसकी पत्नी भूमति यादव दोनों आये और जमीन का नक्शा गलत काट दिये हो कहकर गाली-गलौज कर बहस करने लगे। इस दौरान तहसीलदार कार्यालय के मर्यादा का ध्यान में रखकर पटवारी ने धीरे बात करने का आग्रह किया। इसके बाद दोनों पति-पत्नि एवं प्रार्थी कार्यालय के बाहर परिसर में आये तो वहां भी दोनों पति-पत्नि मिलकर पटवारी से अमर्यादित भाषा का प्रयोग किये।

परिसर में मौजूद लोगों के द्वारा दोनों पति-पत्नि को समझाया गया। फिर प्रार्थी अपने एक अन्य साथी के साथ मोटर सायकल के शो-रूम में गया वहां भी दोनों पति-पत्नि पीछे से पहुंच गये और पटवारी को जातिगत अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर मारपीट किये। इतना ही नहीं शासकीय दस्तावेज को फेंक दिये जिससे वह फट गया। पीड़ित पटवारी की रिपोर्ट पर थाना कुनकुरी में भान्यासं की धारा 296, 221, 132, 115(2), 3(5) एवं 3(2)(5), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान थाना कुनकुरी द्वारा तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुये चंद घंटों में दंपत्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उनके द्वारा उक्त अपराध को घटित कर स्वीकार किया गया। आरोपी ईश्वर यादव उम्र 35 साल, पत्नी भूमति यादव उम्र 32 साल दोनों निवासी कुडूकेला थाना नारायणपुर को 1 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अंदरूनी क्षेत्रों में 4 उचित मूल्य की दुकान स्वीकृत

ग्रामीणों को राशन के लिए जद्दोजहद से मिलेगी निजात

बीजापुर। कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत बीजापुर जिले में ग्रामीणों की सुविधा अनुसार उनके मूल ग्राम में नवीन 04 उचित मुल्य की दुकान स्वीकृत किया गया है। विकासखंड उसूर अन्तर्गत ग्राम पंचायत पुतकेल से नवीन दुकान चिल्कापल्ली, ग्राम पंचायत तर्रेम से नवीन दुकान चुटवाही, ग्राम पंचायत चिन्नागेल्लूर से नवीन दुकान पेदागेल्लूर, ग्राम पंचातय चिपुरभटटी से नवीन दुकान पाकेला प्रांरभ किया गया है। उक्त ग्राम के कार्डधारियों को माह अगस्त 2024 से उनके मूल ग्राम में राशन वितरण किया जावेगा। उक्त स्थानों पर नवीन उचित मूल्य दुकान सह भवन की स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ किया गया है। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर श्री नारायण गवेल ने बताया कि शासन की अति महत्वपूर्ण योजना नियद नेल्लानार अन्तर्गत ऐसे ग्राम जहां राशन सामग्री लेने 3-4 किलोमीटर का सफर तय करना पडता था उन स्थानों पर कार्डों की संख्या के आधार पर नवीन दुकान स्वीकृत कर प्रारंभ किया गया है। जहां अगस्त 2024 से राशन वितरण होगा। जिससे उक्त ग्राम के कार्डधारियों को उनके मूल ग्राम में राशन मिल पायेगा। ज्ञात हो कि नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत चयनित ग्रामों में चावल के साथ साथ शक्कर, नमक, चना, गुड भी निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। अतः सर्व, उचित मूल्य दुकान संचालकों को प्रतिमाह निर्धारित मात्रानुसार राशन वितरण करने हेतु निर्देशित कर खाद्य निरीक्षकों को दुकानों का सतत मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया है।

धान के साथ-साथ अन्य व्यवसायिक फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए : कलेक्टर

कलेक्टर ने की कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, और मछलीपालन विभाग की समीक्षा

बेमेतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिला पंचायत स्थित सभाकक्ष में कृषि, पशुधन विकास, मत्स्य एवं उद्यानिकी विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित ली। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, विशेषज्ञ और किसान प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले में कृषि और पशुधन विकास की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर शर्मा ने कहा कि शासन की योजना के क्रियान्वयन के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों को हितग्राही मूलक योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कृषि एवं समवर्गीय विभाग के मैदानी अमले द्वारा जिले में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने समीक्षा के दौरान खरीफ सीजन में बीज और उर्वरक के वितरण के लिए पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जैविक खेती को बढ़ावा देने, दलहन-तिलहन खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने समितियों के माध्यम से किसानों को कृषि ऋण दिलाये और किसानों को अधिक से अधिक इस योजनाओं से लाभान्वित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में सभी किसानों ई-केवाईसी करने, के.सी.सी. पंजीयन ,फसल बीमा पंजीयन के संबंध में विस्तार से जानकारी

ली। उन्होंने कहा कि किसानों को लाभान्वित करना और उनकी स्थिति को मजबूत बनाना प्राथमिकता में शामिल है। ज़िले में किसानों की स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए धान के साथ-साथ अन्य व्यवसायिक फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन दलहन और तिलहन की फसलों को बढ़ावा भी दिया जा रहा है। किसानों को इसका लाभ सुनिश्चित कर दलहन और तिलहन की खेती के लिए उन्हें प्रेरित करें। बैठक में कृषि सहित जुड़े विभिन्न विभागों उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, उपस्थित थे। कलेक्टर शर्मा ने प्रत्येक विकासखण्ड में उद्यान विभाग पोषण बाड़ी की जानकारी ली,साथ ही उद्यानिकी फसलों के प्रदर्शन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने मत्स्य विभाग से मछली बीज उत्पादन के संबंध में पूछा। मत्स्य निरीक्षकों से विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने बीजोत्पादन के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर वृहद स्तर पर क्रियान्वयन करने की बात कही। साथ ही मछली बीज के उत्पादन के लिए मत्स्य विभाग की गतिविधि को बढ़ाने आवश्यक निर्देश भी दिए। मलिक ने पशुपालन विभाग के अधिकारी से पशुओं के पंजीयन, उपचारित पशुओं की संख्या, टीकाकरण के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए साफ-सफाई और गोवंश, पशुओं के बेहतर रखरखाव हेतु पशुपालकों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल यूनिट के माध्यम से गांवों तक पहुंचकर पशुपालकों को लाभ दें। साथ ही उपस्थित सभी पशु चिकित्सकों को कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण पर शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया।

प्रदेश के छात्रावासों में दो हजार सीटों की वृद्धि होगी: साय

मुख्यमंत्री ने किया आठ करोड़ रुपए से अधिक लागत से बने पाँच कन्या छात्रावासों का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज आरंग में पाँच कन्या छात्रावासों का शुभारंभ किया। पाँचो छात्रावासों के शुरू हो जाने से अनुसूचित जाति की तीन सौ कन्याओं की अपनी पढ़ाई के लिए आवासीय सुविधा मिलेगी। इन छात्रावासों की लागत आठ करोड़ छह लाख रुपये से ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आरंग 100 सीटर लागत 174.67 लाख, प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास मंदिर हसौद, 50 सीटर लागत 174.67 लाख, अनुसूचित जाति कन्या आश्रम आरंग 50 सीटर लागत 162.76 लाख, अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आश्रम 50 सीटर लागत 162.76 लाख, नवीन प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आरंग 50 सीटर लागत 152.97 लाख रूपए का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कन्या छात्रावास परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रामफल के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के सभी हॉस्टल, छात्रावासों में दो हजार सीटों की वृद्धि करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने माइनर नगर वितरक शाखा क्रमांक-एक पोढ़ापार रसोटा तुलसी केशला के जीर्णोद्धार, आरंग एसडीएम और तहसील कार्यालय के कर्मचारियों के लिए आवास के निर्माण, आरंग रेस्ट हाउस का विस्तार और जीर्णोद्धार करने की घोषणा की। इस मौके पर विधायक गुरू श्री खुशवंत साहेब की मांग पर भण्डारपुरी गुरुद्वारा परिसर के निर्माण के लिए 17 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छात्रावास के लोकार्पण कर छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि इन भवनों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग की हमारी बेटियां सुविधापूर्ण तरीके से अपनी शिक्षा को जारी रख सकेंगी और अच्छी तरह पढ़-लिखकर अपने माता-पिता और हमारे प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा विकास का मूल मंत्र है। शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम ही नहीं है बल्कि उससे भी बढ़कर एक आदर्श समाज की नींव है। किसी भी कार्य को अच्छी तरह कर पाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान होता है। 15 साल प्रदेश में डॉ. रमन सिंह की सरकार रही, इन 15 सालों में प्रदेश में शिक्षा के विकास के लिए अनेक कार्य हुए। उस समय हमारे प्रदेश के शैक्षणिक संस्थान टॉप में रहे। उसी का परिणाम है कि आज प्रदेश में 10 से अधिक मेडिकल कॉलेज हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन के साथ विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार को कुछ ही माह हुए हैं इतने कम समय में हमने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रदेश की जनता को दी गई गारंटियों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इस क्रम में आरंग विधानसभा के विकास के लिए भी हमने कम समय में 17 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है। पीएम श्री योजना में छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों को शामिल किया गया है। इन स्कूलों के विकास के लिए केंद्र सरकार से 02 करोड़ रूपए का बजट मिलेगा, जिसका उपयोग स्कूल में अच्छे शिक्षकों की उपलब्धता, शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से दिल्ली जाकर आईएएस, आईपीएस परीक्षा की तैयारी करने वाले एसटी, एससी, ओबीसी वर्ग के छात्रों के लिए दिल्ली में निर्धारित हॉस्टल में सीटों की संख्या की बढ़ोतरी करते हुए उसे 200 किया गया है। उल्लेखनीय है कि इन छात्रावास-आश्रमों में अनुसूचित जाति की छात्राओं को पढ़ाई के लिए प्रवेश दिया जाएगा, जहाँ रहकर वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगी। छात्रावासों में सुसज्जित शयन कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, क्लास रूम्स सहित भोजन कक्ष और पर्याप्त संख्या में शौचालय तथा स्नानागार बनाये गये है। भवनों में बिजली-पानी की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लगभग 20 स्कूली छात्राओं को आने-जाने के लिए नि: शुल्क साइकिलें भी वितरित की।

अनुसूचित जाति की तीन सौ छात्राओं को पढ़ाई के लिए आवासीय सुविधा मिलेगी

श्रमिक कल्याण योजनाओं से भी लाभान्वित हुए कई परिवार छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण भी किया

प्रदेशभर में हमने नवीन एकलव्य विद्यालय भी खोले हैं: नेताम

मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार समाज के बेहतरी, उत्थान और विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि इन कन्या छात्रावासों के शुभारंभ से छात्राओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भवन विहीन 180 छात्रावासों के बिल्डिंग निर्माण की स्वीकृति मिली है। वर्तमान में 180 में से 121 भवन के निर्माण के लिए 210 करोड़ रूपए का टेंडर भी लगा दिया गया है। 69 छात्रावास बिल्डिंग निर्माण के लिए निविदा भी अपलोड की जा रही है। प्रदेश के 295 भवनविहीन छात्रावास और आश्रम के भवन निर्माण के लिए भी हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। श्री नेताम ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने खराब स्थिति वाले छात्रावास के मेंटेनेंस कर उन्हें सर्वसुविधा युक्त बनाने का भी कार्य कर रहे हैं। छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल और अनुकूल सुविधाएं सुनिश्चित कर रहे हैं। एसटी-एससी वर्ग के लिए छात्रावासों आश्रमों में निर्धारित संख्या 3757 है, जिनमें 1,97,000 सीटें है। कई जगहों में आश्रम छात्रावासों में भर्ती की प्रक्रिया भी जारी है। प्रदेशभर में हमने नवीन एकलव्य विद्यालय भी खोले हैं।

आरंग में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को भी लाभान्वित किया। उन्होंने मिनीमाता महतारी योजना के तहत श्रमिक परिवार की दस महिलाओं को बीस-बीस हज़ार रुपये की सहायता दी। श्री साय ने नोनी सशक्तिकरण योजना के तहतश्रमिक परिवार की लगभग पंद्रह मेधावी छात्राओं को भी बीस -बीस हज़ार रुपये की राशि के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री ने दो निर्माण श्रमिकों की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि भी प्रदान की। यह राशि निर्माण श्रमिक मृत्यु-दिव्यांग सहायता योजना के तहत दी गई। श्री साय ने दो बुजुर्ग श्रमिकों को बीस बीस हज़ार रुपये की सहायता श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत प्रदान की। श्रमिकों के पाँच मेधावी बच्चों को उनकी पढ़ाई जारी रखने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए तीन तीन हज़ार रुपये की सहायता भी दी गई।

इस योजना के तहत एक साल में नब्बे दिन निर्माण श्रमिक के रूप में काम करने वाले पंजीकृत श्रमिक के दो बच्चों को पहली कक्षा से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई के लिए एक हज़ार रुपए से दस हज़ार रुपए तक की सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में पाँच पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय के लिए तीन लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि भी प्रदान की। श्री साय ने पशु मित्र योजना के तहत कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को भी लगभग तीन लाख रुपये का मानदेय वितरित किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेली त्यौहार की बधाई और शुभकामनाएं दी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को हरेली त्यौहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। अपने शुभकामना संदेश में श्री साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति यहां के उत्सवों में प्रमुखता से दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ का लोक त्यौहार हरेली छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा की जाती है। इस दिन धरती माता की पूजा कर हम भरण पोषण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा है कि इस बार हम धरती माता का आभार उनकी पूजा करने के साथ 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाएं और हरेली की खुशियां मनाएं। श्री साय ने कहा कि हरेली त्यौहार प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियां और समृद्धि लेकर आए।

साय ने पत्थलगांव से गुमला तक हाई-स्पीड फोरलेन रोड की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा रायपुर से रांची नेशनल हाईस्पीड कारीडोर प्रोजेक्ट अंतर्गत पत्थलगांव, जशपुर (छत्तीसगढ़) से गुमला (झारखंड) तक के लिए हाई-स्पीड फोरलेन रोड की स्वीकृति दिए जाने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण सड़क परियोजना दोनों राज्यों छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों के साथ जशपुर निवासियों को इस हाई-स्पीड फोरलेन रोड परियोजना की स्वीकृति की विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि पत्थलगांव से गुमला तक फोरलेन सड़क के निर्माण से रायपुर और रांची के मध्य यात्रा सुगम होने के साथसाथ यात्रा में समय की भी बचत होगी। सड़क परियोजना पूर्ण होने से दोनो राज्यों में विकास कार्यों की गति में भी तेजी आएगी।

लगातार ट्रेनों को रद्द किया जाना जनता के ऊपर अत्याचार - दीपक बैज

रायपुर। एक बार फिर से छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 72 से अधिक ट्रेनों को रद्द किया जाना जनता के ऊपर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि त्योहारों के समय ट्रेनों को रद्द किये जाने का कांग्रेस विरोध करती है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों को पिछले चार सालों से अचानक रद्द करने का सिलसिला चल पड़ा है। वर्तमान में भी 72 से अधिक ट्रेनों को राजनांदगांव कलमना रेलखंड के बीच तीसरी लाईन जोड़ने के नाम पर रद्द कर दिया गया है। रेलवे का यह कदम बेहद ही गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे समय में जब देश का प्रमुख त्योहार रक्षाबंधन है, छत्तीसगढ़ का प्रमुख त्योहार हरेली है। इस समय इतनी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाना रेल यात्रियों के ऊपर अत्याचार है। रेलवे को यदि मेंटेनेंस करना था तो इसके लिये काम की समय सारणी का ऐसा प्रबंध किया जाना चाहिये जिससे यात्री सुविधायें बाधित न हो। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले चार वर्षो से देश की रेल सुविधाएं पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। यात्री ट्रेनों की बिना कारण बताये रद्द कर दिए जाने का फरमान जारी कर दिया जाता है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली सैकड़ो यात्री ट्रेनों को अनेको बार महीनो तक के लिए रद्द किया गया है। महीनो पहले यात्रा की योजना बना कर रिजर्वेशन करवाने वाले यात्री रेलवे की इस मनमानी से परेशान होते है। त्योहारों, छुट्टियों, शादी ब्याह के सीजनों मे रेल्वे बिना बताए, बिना कारण के यात्री ट्रेनों को रद्द कर देती है। रेलवे द्वारा ट्रेनों को रद्द किये जाने का कारण मेंटेनेंस बताया जाता है। जबकि उन्ही ट्रेको पर यात्री ट्रेनों से 50 गुना अधिक क्षमता की मालवाहक ट्रेनों को चलाया जाता है। छत्तीसगढ़ से निकलने वाले कोयले का परिवहन कर दूसरे प्रदेश को भेजने के लिए भी छत्तीसगढ़ की यात्री सुविधाओं को बाधित किया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रेल्वे द्वारा जिस प्रकार से यात्री ट्रेनों के संचालन में लगातार कोताही बरती जा रही उससे स्पष्ट हो रहा की रेल्वे यात्री सुविधाओं की अपेक्षा मालवाहक गाड़ियों को ज्यादा प्राथमिकता दे रही। यह जानबूझकर किया जाने वाला षड़यंत्र है ताकि जनमानस में रेल अलोकप्रिय हो और मोदी सरकार रेलवे को निजी हाथों विशेषकर अडानी समूह को सौप सके।

रेल्वे में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

आरोपी के द्वारा 19,55,000 रू लेकर रेल्वे में नौकरी लगाने के नाम से किया था ठगी

बालोद। रेल्वे में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले मुख्य आरोपी उत्तम चंद खाण्डेकर को बालोद पुलिस ने गोदिया (महाराष्ट) से किया गिरफ्तार। ये पूर्व में भी ठगी के प्रकरण में जा चुका है, जेल। बता दें कि आरोपी पूर्व सैनिक है जो वर्ष 2008 से रिटायर होकर लोगो को झांसे में लेकर ठगी करता है। आरोपी उत्तम चंद खाण्डेकर व उसके साथी के विरूद्व बालोद जिले में 03 प्रकरण दर्ज है। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक बालोद एसआर भगत के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद अशोक कुमार जोशी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बालोद देवांश सिंह राठौर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में बालोद क्षेत्र के भोले भाले लोगो एवं बेरोजगार यूवाओं को नौकरी लगाने के नाम पर हो रहे ठगी के आरोपी को गिरफतार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारीयों के द्वारा निर्देशित किया गया है। थाना बालोद के ठगी के प्रकरण में प्रधान आरक्षक भगवान सिंह धुव्र एवं हरीशचंद्र सिन्हा के नेतृत्व में 02 विशेष टीम बनाकर पूर्व से फरार आरोपी उत्तमचंद खाण्डेकर को गिरफतार करने हेतु जिला गोदिया एवं नागपुर टीम भेजा गया था जो फरार आरोपी उत्तमचंद खाण्डेकर अपने मूल पता को छोड़कर दुसरे जगह रहने की सूचना पर पुलिस टीम के द्वारा ठगी के आरोपी को पकड़कर थाना बालोद लाया गया।

मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रकरण क्रमांक 01 में मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि, प्रार्थी घनश्याम ढीमर पिता स्व. विष्णुराम ढीमर उम्र 39 वर्ष सा. रेल्वे कालोनी बालोद थाना व जिला बालोद द्वारा प्रस्तुत शिकायत जांच पर आरोपी डुलेष कुमार साहू, द्वारा प्रार्थी से जान पहचान होने से प्रार्थी को रेल्वे विभाग में स्टेशन मास्टर के पद पर नौकरी लगाने का प्रलोभन दिया जिसके बाद आरोपी अपने मित्र उत्तम खाण्डेकर, अंकुष मिश्रा से परिचय कराया उत्तम खाण्डेकर, अंकुष मिश्रा द्वारा रेल्वे विभाग उच्च अधिकारी होना बताकर।

मेरा रेल्वे के बड़े बड़े अधिकारियों से जान पहचान है मै पहले भी कई लोगो को नौकरी लगा चुका हूं कहकर आरोपीगण द्वारा प्रार्थी से जुमला करीबन 11,08,000/रुपये लेकर अभी तक नौकरी नही लगवाये है, और न ही पैसा वापस किया है पैसा मांगने पर आज दूंगा कल दूंगा कहकर रकम वापस नही कर धोखाधड़ी करना पाये जाने से थाना बालोद में अपराध क्रमांक 296/2024 धारा 420, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्व किया गया है।

प्रकरण क्रमांक 02 में प्रार्थी धर्मेन्द्र साहू पिता देव कुमार साहू उम्र 29 वर्ष साकिन खेरथाडीह थाना व जिला बालोद द्वारा प्रस्तुत शिकायत जांच पर आरोपी डुलेश कुमार साहू, द्वारा प्रार्थी से जान पहचान होने से प्रार्थी को रेल्वे विभाग में टिकट कलेक्टर के पद पर नौकरी लगाने का प्रलोभन दिया जिसके बाद आरोपी अपने मित्र उत्तम खाण्डेकर, से परिचय कराया उत्तम खाण्डेकर द्वारा स्वयं को रेल्वे विभाग में उच्च अधिकारी होना बताकर मेरा रेल्वे के बड़े बड़े अधिकारियों से जान पहचान है.

रायपुर । प्रदेश की राजधानी में लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते कई इलाके जल मग्न हो गए हैं. शुक्रवार देर रात शरु हुई बारिश लगातार दूसरे दिन भी जारी है. ऐसे में रायपुर के कई इलाकों में पानी भर गया है. जलभराव के चलते स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.रायुपर के गुढ़ियारी में रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे दो फीट से ऊपर पानी भर गया है. जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है.

ननि चुनाव के लिए मुस्तैदी से तैयारी कर रहे कार्यकर्ता : नितिन

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन आज दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं. एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी का संगठन हमेशा काम करता है. यही कारण है कि हमारा संगठन हमेशा संचालित कहलाता है. आज उसी की दृष्टि से पार्टी का आगामी कार्यक्रम हर घर तिरंगा, एक पेड़ मां के नाम, विभाजन विभीषिका दिवस ऐसे कई कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे. साथ ही पिछले दिनों हमारे संगठन की जो कार्य समिति हुई, सबकी समीक्षा होगी. प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कहा, संगठन और सशक्त रूप से कैसे चले, सरकार की जो गतिविधि है उस पर संगठन का क्या उपयोग हो सकता है, इन सभी पर चर्चा होगी. नगरी निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव पर उन्होंने कहा, संगठन अपनी पूरी तैयारी कर रहा है. हमारे कार्यकर्ताओं की निश्चित रूप से उसमें भूमिका होने वाली है. हमारे कार्यकर्ता मुस्तादी से उसकी तैयारी कर रहे हैं. अग्निपथ योजना पर झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के बयान पर नितिन ने कहा, यह इंडिया एलायंस के लोग हैं. वही गाना गाएंगे जो सब लोग गा रहे हैं. हेमंत सोरेन को पहले यह बताना चाहिए कि झारखंड की जनता की जमीन जो अपने नाम किया,उसका सच क्या हैं?

एनआईए ने दो नक्सली कैडरों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई की कुयेमारी क्षेत्र समिति के दो नक्सली कैडरों की गिरफ्तारी से संबंधित मामले में दो आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इन पर सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए हथियार और विस्फोटक ले जाने का आरोप है। आरोपी व्यक्तियों की पहचान विनोद अवलम और आशु कोरसा के रूप में हुई है। भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और यूए (पी) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत विशेष न्यायालय, जगदलपुर के समक्ष आरोप पत्र दायर किया गया था। दोनों आरोपी व्यक्ति सीपीआई के सदस्य हैं और सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश में शामिल पाए गए हैं। दोनों को कांकेर जिले के मुजालगोंडी गांव से हथियारों और अन्य आपत्तिजनक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने इसी साल जून में कांकेर जिले के सुदूर गांवों मुजालगोंडी, कलमुचे, आमाबेड़ा और जिवलामारी में छापा मार कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोप पत्र में बताया गया है कि दोनों आरोपी सीपीआई के वरिष्ठ नेताओं की सुरक्षा और आपूर्ति टीम का हिस्सा थे। और सीपीआई के अन्य कैडरों के साथ मिलकर सुरक्षा बलों पर आतंकवादी हमले की योजना बना रहे थे, जो कि एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है। एनआईए की इस कार्रवाई से प्रतिबंधित संगठन के खिलाफ एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है और सुरक्षा बलों पर संभावित हमले की साजिश को विफल किया गया है।

आदिवासी ब्लॉक मुख्यालय डौंडी में बन रहा वेयर हाउस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा

बालोद। केंद्र व राज्य सरकार गरीब किसानों के फायदे के लिए करोड़ों रुपये का फंड जारी करती है। ताकि किसानों को फायदा मिल सके और इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रतिवर्ष धान खरीदी के बाद उसके उठाव में देरी के कारण बेमौसम बारिश से भीग जाने से सरकार और किसानों के नुकसान को रोकने के लिए वेयर हाउस निर्माण कार्य करवा रही है। इससे खरीदी गई धान के बोरों को सुरक्षित रखने में मददगार साबित हो जाए। लेकिन जिले में बन रहे ओपन वेयर हाउस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते दिखाई दे रहे है। ऐसा ही मामला बालोद जिले के तहसील डौंडी में देखने आया है।

नगर पंचायत डौंडी क्षेत्र क्षेत्र में वेयरहाउस के निर्माण कार्य के नाम पर निर्माण एजेंसी के साथ वेयर हाउस विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व इंजीनियर की मिलीभगत कर निर्माण कार्य पर भर्राशाही मचा रखी है। कमीशन के चक्कर में अधिकारी भी ठेकेदार से साथ हाथ मिला बैठे हैं, ठेकेदार मनमानी गुणवत्ता विहीन कार्य करने पर उतारू है और जिले के जिम्मेदार अधिकारी भी धृतराष्ट्र बनकर भ्रष्टाचार की नाव पर सवार होकर गुणवत्ता विहीन कार्यों के साथ समझौता कर बैठे हैं। तभी तो बेधड़क होकर बिना डर भय के ठेकेदार के द्वारा वेयर हाउस निर्माण कार्य गुणवत्ता की भेंट चढ़ा रहा हैं। बालोद जिले के जनपद पंचायत मुख्यालय डौंडी अंतर्गत वन विभाग कार्यालय के बगल में और सड़क मार्ग के सामने कई एकड़ शासकीय भूमि पर छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन की देखरेख में धमतरी के ठेकेदार को लगभग तीन करोड़ रुपए का वेयरहाउस निर्माण, वेयरहाउस कंक्रीट चबूतरा, सड़क निर्माण सहित एक गार्ड रूम निर्माण कार्य का ठेका मिला। वही कंक्रीट चबूतरा निर्माण कार्य का वर्क आर्डर के विपरीत जारी कार्य पर विभाग के किसी जिम्मेदार अधिकारी ने कभी खोज खबर ही नहीं ली है। एक ओर सरकार किसानों से धान खरीदी कार्य पर जोर शोर से किया जा रहा है और क्रय की गई धान भंडारण व सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से करोड़ों रुपए का वेयरहाउस निर्माण तथा ओपन कैंप वेयरहाउस कंक्रीट चबूतरा निर्माण कार्य प्राइवेट एजेंसियों के माध्यम से जगह-जगह कराया जा रहा है। किंतु निर्माण एजेंसी और ठेकेदार ही सरकार के मंसूबे पर पानी फेरने का कार्य पर उतारू है। सरकार ने डौंडी में वेयरहाउस निर्माण कार्य का टेंडर करोड़ों रुपए का निकाला गया। किंतु ठेकेदार ने तो कार्य शुरू करते ही गुणवत्ता विहीन कार्यों की सभी हदें पार कर दी।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 31.07.2024

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
द्वितीय आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र अ में प्रतिशत दर पर दिनांक 14.08.2024 तक आमंत्रित की जाती है-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
102/157005	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्रं. 02 बालोद के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम एम एवं बी टी. पेंच रिपेयर कार्य	100.00
103/157006	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम एम एवं बी टी. पेंच रिपेयर कार्य	100.00
104/157009	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग बोड़ला के अंतर्गत 15 विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. एम एम एवं बी टी. पेंच रिपेयर कार्य	99.87
105/157010	जिला कबीरधाम के कुकदुर नवीन तहसील कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	64.71

टिप्पणी
1. एन.आई.टी.क्रं 102 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद से संबंधित है, एन.आई.टी. क्रं. 103 लोक निर्माण विभाग, राजनांदगांव संभाग राजनांदगांव से संबंधित है, एन.आई.टी. क्रं. 104 एवं 105 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल दुर्ग

जी- 242501558/7

ईसाइयों से ट्रम्प की अपील के क्या हैं मायने?

रहीस सिंह

''ये ड्रिल नहीं है, लोकतंत्र खतरे में है।'' पॉडकास्टर एलिसन गिल ने ये शब्द डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा फ्लोरिडा की चुनावी रैली में दिए गए उस बयान पर कहे जिसमें उन्होंने कहा था, ''ईसाइयों बाहर निकलो और सिर्फ इस बार वोट कर दो। फिर आपको वोट डालने की जरूरत ही नहीं होगी....'' अब प्रश्न यह उठता है कि डोनाल्ड ट्रम्प ईसाइयों को क्या संदेश देना चाह रहे हैं? 'फिर वोट डालने की जरूरत ही नहीं होगी' का निहितार्थ क्या है? क्या ट्रम्प अमेरिका को तानाशाही की ओर ले जाना चाहते हैं, जैसा कमला हैरिस ने उन पर संविधान बदलने का आरोप लगाया है?

6 जनवरी 2021 को वाशिंगटन के कैपिटल हिल पर एक घटना हुई थी, जिसे ट्रम्प समर्थकों ने अंजाम दिया था। अमेरिकी लोकतंत्र में वह एक प्रस्तावना की तरह लगी थी। तो क्या अब ट्रम्प उसका उपसंहार लिखना चाहते हैं? अथवा यह सब अपने समर्थकों से वोट लेने के लिए अपनाए जाने वाले हथकंडे मात्र हैं? अमेरिका एक विकसित राष्ट्र है कोई अल्पविकसित अथवा धार्मिक राष्ट्र नहीं जहां न वैज्ञानिक शिक्षा हो, न तकनीक और न स्वस्थ व समृद्ध लोकतंत्र का विचार। फिर भी यदि ईसाईवाद के आधार पर राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार वोट मांग रहा है और यह वादा कर रहा है कि इस बार जिता दो, दोबारा वोट डालने की जरूरत ही नहीं होगी तो यह गंभीर विषय अवश्य है।

स्वाभाविक रूप से अमेरिका में इसे लेकर चर्चाएं भी शुरू हो गईं। सवाल किए जाने लगे कि क्या ट्रम्प सत्ता पाने के लिए एक खतरनाक खेल खेलना चाह रहे हैं? यद्यपि इस बयान के बाद डोनाल्ड ट्रम्प के चुनावी अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेंग से जब स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने कहा कि ''ट्रम्प देश को जोड़ने की बात कर रहे थे।'' परंतु स्टीवन के इस तर्क को नहीं स्वीकार किया जा सकता क्योंकि अमेरिकी जनसंख्या विविधतापूर्ण है जिसमें 37 ऐसे वंश समूह (एनसेस्ट्री ग्रुप्स) है जिनकी जनसंख्या एक मिलियन से अधिक है। यही नहीं अमेरिका में श्वेत, हिस्पानिक और लैटिन अमेरिकंस, अफ्रीकन अमेरिकंस, एशियन अमेरिकंस ....आदि बड़े एथनिक विभाजन विद्यमान हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि ईसाई धर्म के होने के बावजूद इनके हित प्रायः एक-दूसरे से टकराते हैं जिसके कारण यह स्पष्ट जनसांख्यिकी विभाजन को प्रदर्शित करते हैं। ट्रम्प जिन ईसाइयों का आवाहन कर रहे हैं वे श्वेत अमेरिकंस हैं, तो क्या ट्रम्प का यह रवैया श्वेत और अश्वेत के बीच की खाई को और गहरा नहीं करेगा? फिर स्टीवन किस आधार पर यह बता रहे हैं कि ट्रम्प का यह बयान देश को जोड़ने वाला नायाब फार्मूला है। इसलिए प्रश्न तो खड़े होने ही थे और हुए भी। दोबारा वोट न दिए जाने वाले बयान को कुछ लोग डोनाल्ड ट्रम्प के दिसंबर 2023 में फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में दिए गए उस बयान से जोड़ रहे हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर वो राष्ट्रपति चुनाव जीते तो सिर्फ पहले दिन के लिए तानाशाह बनेंगे।

ट्रम्प की ये बातें क्या संदेश देती हैं? क्या अमेरिका में सबकुछ ठीक चल रहा है? लोकतंत्र भी? फिलहाल ट्रम्प भले ही तानाशाही की ओर बढ़ते दिख रहे हों लेकिन अभी उनका पापुलैरिटी ग्राफ ठीकठाक है, हालांकि कमला हैरिस की एंट्री से ट्रम्प की बढ़त पर विराम लग गया है। अब देखना यह है कि 'फिर आपको वोट डालने की जरूरत ही नहीं होगी' वाला उनका बयान उन्हें व्हाइट हाउस पहुंचाने के लिए एक ताकतवर सीढ़ी बनेगा अथवा उन्हें खारिज कर देगा?

संसद में जाति पर जारी सियासी जंग के राजनीतिक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडेय

वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो जाति कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है।

पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके %चतुरसुजान% नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है।

दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया।

तीसरा, जाति और धर्म के आधार पर बने कानूनों में व्याप्त विसंगतियों और इससे प्रभावित हो रहे सामान्य जनजीवन के खिलाफ स्वतः संज्ञान न लेकर न्यायविदों ने भी कालीदासी विद्वता का ही परिचय दिया है। जिस देश में वह लोकतांत्रिक न्याय दे रहे हैं, वहीं पर जब कानूनी व न्यायिक प्रावधान व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व की पारस्परिक भावना को मुंह चिढ़ाने लगें, तो समझा जा सकता है कि मत समानता रहने के बावजूद पीड़ित व प्रभावित व्यक्ति कितना असहाय महसूस कर रहा होगा। खास बात यह कि इस देश में जाति और जातीय आरक्षण की जो अवधारणा तय की गई है, सवर्ण-पिछड़ा-दलित-आदिवासी और उनकी गरीबी के अलावा अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक के जो मानदंड तय किये गए हैं, वो तार्किक कम, प्रतिशोधी ज्यादा प्रतीत होते हैं। लेकिन क्या मजाल कि कोई इन्हें गलत ठहरा दे या उनमें संशोधन की बात करे। इससे तो यही लगता है कि संविधान निर्माताओं से लेकर संविधान के कथित संरक्षकों और संसद में पिछले लगभग 8 दशक से बैठ रहे अधिकांश माननीयों ने जनतांत्रिक कुएं में पड़ी भांग पी ली है, जिन्हें तर्क और तथ्य से कोई वास्ता नहीं, बस पददलित जनमानस पर निरंतर बिहंसते जा रहे हैं!

चतुर्थ, कुछ यही हाल राष्ट्र में जनमत निर्धारण करने में अमूल्य सहयोग देने वाली समग्र मीडिया इकाइयों और उसके अदूरदर्शी सम्पादकों का भी है, जिन्होंने वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता की बजाय पक्षधरता भरी रिपोर्टिंग की और नीर-क्षीर विवेक वाक विद्या को सियासतदानों के मन के मुताबिक जैसे तैसे परिभाषित किया। इससे जहां जनता गफलत में रही, वहीं संवैधानिक सिपहसालार मजे में! परन्तु कोढ़ में खाज यह कि जाति/सम्प्रदाय जैसे जनहित के मुद्दे जहां के तहां मील के पत्थर की तरह यथावत बने रहे। इसलिए हमारे राजनेता अपने मन के मुताबिक इनकी तरह तरह की व्याख्या करने में सफल हो जाते हैं, जिससे राष्ट्रहित प्रभावित होता है।

पांचवां, फिलवक्त भारतीय संसद के निम्न सदन लोकसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर जो कुछ भी कहा, वह यदि सही नहीं है तो ज्यादा गलत भी नहीं है! लिहाजा, इस मुद्दे पर आधुनिक सोच विकसित करनी चाहिए। साथ ही कतिपय संवैधानिक/कानूनी कमियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि कभी भारतीय समाज को माला की तरह जोड़ने वाली जाति प्रथा आरक्षण उत्प्रेरित सामाजिक टूट की वजह न बन जाये। जैसा कि महसूस किया जा रहा है।इसलिए आरक्षण के आधार को जाति-धर्म-भाषा नहीं बल्कि आर्थिक आधार का किया जाना चाहिए, इसे रोटेशनल बनाकर सबको लाभान्वित किया जाना चाहिए, जो न्यायिक तर्क/वितर्क के मद्देनजर आसान नहीं लगता है।

छठा, उल्लेखनीय कि 30 जुलाई 2024 मंगलवार को अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि, जिन्हें अपनी जाति के बारे में भी नहीं पता है वो जाति जनगणना की बात करते हैं। यह बात एक हद तक सही भी प्रतीत हो रही है! इसलिए ऐसे लोगों की जाति व धर्म के लिए भारत में स्पष्ट कानूनी प्रावधान तय किए जाने की जरूरत है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर खरा हो। क्योंकि वैदिक जाति या धर्म की अवधारणा पूरी तरह से वैज्ञानिक है, जिसकी उपेक्षा संवैधानिक भारत में होना आम बात बन चुकी है।

सातवां, राहुल गांधी पर सदन में हमला बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने इसके पहले ये भी कहा था कि असत्य के पैर नहीं होते हैं, जिसके चलते ये कांग्रेस के कंधे पर सवारी करता है। जैसे मदारी के कंधे पर बंदर सवारी करता है, वैसे ही राहुल गांधी के कंधे पर असत्य का बंडल होता है। तभी तो अनुराग ठाकुर की इन टिप्पणियों पर सदन में हंगामा बढ़ गया। इसलिए सीधा सवाल है कि अनुराग ठाकुर के इस बयान के बाद सदन में जो जमकर हंगामा शुरू हो गया और कांग्रेस के सांसद वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे, वह कितना जायज है? क्या इसे टाला नहीं जा सकता है। यदि जनप्रतिनिधिगण हंगामा करने के बजाय तत्सम्बन्धी कानून बनाने की मांग करें तो ऐसे विरोधाभासों को टाला जा सकता है।

आठवां, संयुक्त विपक्ष हंगामा करने के बजाय उन लोगों की एक अलग जातीय कोटि व धार्मिक कोटि बनाने की मांग करे, जिनके माता-पिता भिन्न-भिन्न जातियों या सम्प्रदायों से है, क्योंकि उनकी संतान वर्णसंकर हुई। चूंकि भारतीय समाज पितृसत्तात्मक समाज है, इसलिए यहां पिता की जाति या धर्म को स्वीकार करने की परम्परा प्रचलित है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर पूरी तरह से गलत है। क्योंकि इससे सम्बन्धित जाति/धर्म का मूलगुण दूषित/भ्रमित होता है। इसी तरह से साधुओं की भी एक अलग जाति बनाने की जरूरत है।

नौवां, आप मानें या न मानें, किंतु वैदिक साहित्य में ऐसे लोगों के लिए ही वर्णसंकरता की परिकल्पना मौजूद है, जिसकी चतुराई और उसके संभावित दुष्परिणामों के बारे में वैदिक साहित्य द्वारा पहले ही आगाह किया जा चुका है। हालांकि, तथाकथित प्रगतिशील वामपंथी लोगों के पास स्वस्थ सामाजिक-सांस्कृतिक चिंतन का अभाव होने के चलते न तो वर्णसंकर लोगों की अलग जाति तय हुई और न ही अंतरधार्मिक शादी-विवाह करने वालों के लिए अलग धर्म तय किया गया। जबकि भारतीय समाज में इन्हें कहीं दोगलवा तो कहीं दुगामिया कहे जाने की परंपरा प्रचलित है, जिसे अबतक कानूनी वर्गीकरण हासिल नहीं है। इसलिए उम्मीद है कि इस बहस के बाद इनका भी कानूनी वर्गीकरण किया जाना चाहिए और ऐसे तमाम लोगों को जातीय आरक्षण से वंचित किया जाना चाहिए या फिर किस कोटि से दिया जाए, उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए।

दसवां, सच तो यह है कि संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जातीय जनगणना को लेकर अनुराग ठाकुर के बयान पर जो संग्राम मचा हुआ है, वह आगामी विधानसभा चुनावों व यूपी उपचुनाव के दृष्टिगत विपक्ष की एक सुनियोजित सियासी रणनीति है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

अविशिष्ट-क्रम

गतांक से आगे...

दूसरा क्रम इस प्रकार है- (1) ब्रह्म (2) पद्म (3) विष्णु (4) वायु (5) भागवत (6) नारद (7) मार्कण्डेय (8) अग्नि (6) भविष्य (10) ब्रह्मवैवर्त (11) लिङ्ग (12) वाराह (13) स्कन्द (14) वामन (15) कूर्म (16) मत्स्य (17) गरुड़ (18) ब्रह्माण्ड। उक्त क्रम में %ब्रह्म पद्म और विष्णु की गणना तो विशिष्ट क्रम के समान ही है अतः इनकी उपपत्ति भी पूर्ववत् ही समझनी चाहिए । अब जिज्ञासा होती है कि विष्णु भगवान् किस आधार पर स्थित हैं उस तत्त्व (शेषशय्या) का निरूपण चौथा वायुपुराण करता है। शेषभगवान् क्षीर समुद्र में हैं उस क्षीर समुद्र का तत्त्व बताने को पाँचवां श्रीभागवत उपस्थित है।

समुद्र का नाम सरस्वान् है। सरस्वान् विषय जहां प्रधान हों वह सारस्वत्। अतएव श्रीभागवत को सारस्वत कल्परूप से आचार्यों ने स्वीकार किया है। अस्तु, क्षीर समुद्र में भगवान् की शय्या के समीप वीणाधारी नारद जी निरन्तर रहते हैं, यही आशय छठे नारदपुराण का है। ये छः पुराण क्रम से स्थूल से सूक्ष्म की ओर ले जाते हैं ! और सृष्टि चित्र के सब तत्त्वों को खोल कर जिज्ञासु जनों को समझा देते हैं । सृष्टि के अन्तर्गत साकार पदार्थों का जन्य-जनकभाव यहाँ तक निरूपित हुवा । किन्तु इस सब सृष्टि और इन सब साकार ईश्वरों का मूल तत्त्व क्या है जिसकी प्रेरणा वा आज्ञा से ये सब इस सृष्टि-चक्र को चला रहे हैं- यह जिज्ञासा अभी निवृत्त नहीं हुई। इसलिये आगे के पुराण उस मूल तत्त्व के सम्बन्ध में विवेचक ऋषियों की विप्रतिपत्ति का दिग्दर्शन कराते हैं।

प्रकृति ही मूलतत्त्व है - ऐसा एक मत है, इसके निदर्शनार्थ सातवां मार्कण्डेयपुराण उपस्थित है। प्राणरूप अग्नि सब का मूल तत्त्व है, ऐसी दूसरो विप्रतिपत्ति है- इसे स्पष्ट समझाने को आठवां अग्निपुराण है।

क्रमशः ...

हरियाली अमावस्या

सुमन सैनी

हिन्दू पंचांग के अनुसार, श्रावण माह की अमावस्या तिथि को हरियाली अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। हरियाली अमावस्या को अत्यन्त शुभ माना गया है। सावन माह की अमावस्या तिथि 03 अगस्त, 2024 को दोपहर 03 बजकर 50 मिनट पर शुरू हो रही है। साथ ही यह तिथि 04 अगस्त, 2024 को दोपहर 04 बजकर 42 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार सावन की हरियाली अमावस्या रविवार, 04 अगस्त को मनाई जाएगी।

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है. इस महीने की सभी तिथियों का विशेष महत्व है। सावन मास की अमावस्या तिथि को हरियाली अमावस्या के नाम से जाना जाता है। ऐसे तो प्रत्येक

मास की अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित है, लेकिन शास्त्रों में सावन मास की अमावस्या तिथि का महत्व अधिक बताया गया है। इस तिथि पर हरिद्वार, नासिक, गया, उज्जैन जैसे पौराणिक महत्व वाले तीर्थों की नदियों में स्नान और दान करने पर जन्मों-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं, और सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। पूर्वजों के अलावा देवता, ऋषियों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हरियाली अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। साथ ही इस दिन को पेड़-पौधे लगाने सबसे अच्छा समय माना जाता है। ऐसे में आप इस तिथि पर आम, आंवला, केला, नींबू, तुलसी, पीपल, बरगद और नीम आदि लगा सकते हैं। इससे साधक पर भोलेनाथ की कृपा बनी रहती है।

हरियाली अमावस्या के दिन पति-पत्नी को मिलकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से शादीशुदा जीवन में खुशहाली बनी रहती है। इसके साथ ही हरियाली अमावस्या पर दूध में काले तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें। साथ ही नमः शिवाय मंत्र का 108 बार जाप करें। इससे महादेव प्रसन्न होते हैं। हरियाली अमावस्या के दिन महादेव को आक या मदार के सफेद फूल चढ़ाने से पितृ दोष की समस्या से मुक्ति मिल सकती है। इसके साथ ही अमावस्या पर पितरों के निमित्त सरसों के तेल का दीपक भी जरूर जलाना चाहिए।

हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक सावन देवी-देवताओं की कृपा व आशीर्वाद पाने का एक शुभ महीना है। बता दें कि इस दिन पितरों का तर्पण देना और दान-पुण्य करना बेहद शुभ माना जाता है। कई लोग हरियाली अमावस्या के मौके पर पेड़-पौधों की पूजा करते हैं, क्योंकि हिंदू धर्म में पेड़-पौधों को भगवान का स्वरूप माना जाता है। इस दिन कई लोग पीपल के पेड़ की पूजा की जाती है। हरियाली अमावस्या के दिन पेड़-पौधे लगाना भी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीपल के पेड़ पर त्रिदेव यानी की ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है। यदि इस दिन कोई व्यक्ति एक भी पेड़ लगाता है, तो उसकी सभी समस्याएं दूर होती हैं और जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

क्या आप सीएए के विरोधी हैं? यदि हाँ, तो इस लेख को पढ़ने के बाद मोदी मोदी के नारे लगाएंगे

नीरज कुमार दुबे

संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ भ्रम फैलाने का खेल शुरू हो चुका है। कुछ लोग इस कानून पर रोक लगाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं तो कुछ लोगों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कुछ विपक्षी मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि इस कानून को हम अपने राज्य में लागू नहीं करेंगे जबकि वह जानते हैं कि केंद्रीय कानून में हस्तक्षेप करना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मगर वोटों की राजनीति के लिए वह कुछ भी बोल रहे हैं। इस क्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री तो सबसे आगे निकल गये और सीएए का विरोध करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ अमर्यादित शब्द का उपयोग करते हुए कह दिया है कि ये क्या बदतमीजी है।

जो लोग तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सीएए का विरोध कर रहे हैं उनसे हमारे कुछ सवाल हैं। क्या वह एक बार भी उन बस्तियों में गये हैं जहां पड़ोसी देशों से आये शरणार्थी रह रहे हैं? भारत में रह रहे शरणार्थियों को अपने मूल देश में धर्म के आधार पर प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उनके सामने विकल्प थे या तो धर्मांतरण कर लो या मर जाओ या देश छोड़ दो। उन्होंने देश छोड़ कर भारत में शरण ली लेकिन यहां की नागरिकता नहीं होने के चलते उनको सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। यही नहीं कोई उन्हें काम पर भी नहीं रखता क्योंकि वह अपनी पहचान साबित नहीं कर सकते। ऐसे में कम पैसों में ज्यादा मजदूरी करके वह किसी तरह अपना पेट पालते हैं, उनके बच्चों का स्कूल में एडमिशन नहीं होता और जरूरत पड़ने पर अस्पताल में भी इलाज में परेशानी होती है क्योंकि उनकी कोई पहचान नहीं है।

जो लोग सीएए का विरोध कर रहे हैं क्या उनमें से एक ने भी इस कानून के नियमों को पूरी तरह से पढ़ा है? जो लोग सीएए का विरोध कर रहे हैं क्या उनमें जरा भी मानवता नहीं है? जो लोग कह रहे हैं कि इसमें पड़ोसी देशों के मुस्लिमों को क्यों नहीं शामिल किया गया क्या वह इस बात को नहीं जानते कि मुस्लिमों को इस्लामिक देश में धर्म के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जाता? अगर वह वहां किसी तरह परेशान भी हैं तो दुनिया में कई इस्लामिक देश हैं जहां वह बस सकते हैं। लेकिन हिंदुओं के लिए हिंदू बहुलता वाला एक ही देश भारत है जहां वह आ सकते हैं। जो लोग कह रहे हैं कि सीएए में मुस्लिमों को शामिल नहीं कर भारत के संविधान का उल्लंघन किया गया है, उन्होंने शायद गृह मंत्रालय का बयान नहीं पढ़ा है। इसके अलावा, भारत कैसे सभी धर्मों को साथ लेकर चलता है और कैसे अपने अल्पसंख्यकों का खास ख्याल रखता है, इसे आप इस बात से भी समझ सकते हैं कि भारत में अल्पसंख्यक मामलों के लिए अलग से मंत्रालय है। यही नहीं, भारत में वक्फ एक्ट के तहत मुस्लिमों के लिए अलग से भूमि अधिकार कानून है। साथ ही भारत में आर्टिकल 30 के तहत अल्पसंख्यकों के लिए विशेष धार्मिक शिक्षा अधिकार कानून है। यही नहीं भारत में एचआरसीई एक्ट के तहत मंदिरों की संपत्ति और प्रबंधन से जुड़े तमाम अधिकार राज्य सरकारों के हाथ में हैं मगर किसी अन्य धर्म से जुड़े स्थलों पर सरकार का किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं है।

लेकिन हल्ला मचाने वालों का एक ही लक्ष्य है कि झूठ इतनी बार बोलो और इतना तेज बोलो कि सच दब कर रह जाये। मगर सच दब नहीं सकता। जिसके मन में सीएए को लेकर जरा भी शक है उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान को पढ़ना चाहिए जिसमें कहा गया है कि नागरिकता (संशोधन) कानून (सीएए) पर भारतीय मुसलमानों को किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस कानून का भारतीय मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है जिनके पास अपने समकक्ष हिंदू भारतीय नागरिकों के समान अधिकार हैं। मंत्रालय ने सीएए के संबंध में मुसलमानों और छात्रों के एक वर्ग की आशंका को दूर करने की कोशिश करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि ''इस कानून के बाद किसी भी भारतीय नागरिक को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए कोई दस्तावेज पेश करने के लिए नहीं कहा जाएगा।'' गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारतीय मुसलमानों को किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस कानून में उनकी नागरिकता को प्रभावित करने वाला कोई प्रावधान नहीं है। बयान में कहा गया है कि नागरिकता कानून का वर्तमान 18 करोड़ भारतीय मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है, जिनके पास अपने समकक्ष हिंदू भारतीय नागरिकों के समान अधिकार हैं।

हम आपको बता दें कि गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि उन तीन मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के कारण पूरी दुनिया में इस्लाम की छवि बुरी तरह खराब हुई है। हालांकि, इस्लाम एक शांतिपूर्ण धर्म होने के नाते, कभी भी धार्मिक आधार पर घृणा, हिंसा, उत्पीड़न को बढ़ावा नहीं देता है। गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह कानून अत्याचार के नाम पर इस्लाम की छवि खराब होने से बचाता है। कानून की आवश्यकता बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारत का अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ प्रवासियों को इन देशों में वापस भेजने के लिए कोई समझौता नहीं है। बयान में कहा गया है कि यह नागरिकता कानून अवैध प्रवासियों के निर्वासन से संबंधित नहीं है। इसलिए मुसलमानों और छात्रों सहित लोगों के एक वर्ग की चिंता अनुचित है कि सीएए मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। मंत्रालय ने कहा है कि नागरिकता अधिनियम की धारा 6, जो प्राकृतिक आधार पर नागरिकता से संबंधित है, के तहत दुनिया में कहीं से भी मुसलमानों के लिए भारतीय नागरिकता प्राप्त करने पर कोई रोक नहीं है।

बयान में कहा गया कि अन्य धर्मों वाले भारतीय नागरिकों की तरह भारतीय मुस्लिमों के लिए आजादी के बाद से उनके अधिकारों की स्वतंत्रता और अवसर को कम किए बिना, सीएए ने 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आने वाले लोगों के उत्पीड़न की पीड़ा को कम करने तथा उनके प्रति उदार व्यवहार दिखाने के उद्देश्य से नागरिकता के लिए आवेदन की योग्यता अवधि को 11 से कम कर पांच साल कर दिया है। सीएए लाने के औचित्य पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि उन तीन देशों के उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों के प्रति सहानुभूति दर्शाने के लिए यह कानून, भारत की उदार संस्कृति के अनुसार उनके सुखी और समृद्ध भविष्य के लिए उन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त करने का अवसर देता है। बयान में कहा गया है कि नागरिकता प्रणाली में जरूरत के अनुसार बदलाव लाने और अवैध प्रवासियों को नियंत्रित करने के लिए इस कानून की आवश्यकता थी। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कानून किसी भी मुस्लिम को मौजूदा कानूनों के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से नहीं रोकता है, जिसे इस्लाम के अपने तौर-तरीकों का पालन करने के लिए उन तीन इस्लामिक देशों में उत्पीड़न का सामना करना पड़ा हो।

बहरहाल, सीएए के क्रियान्वयन के खिलाफ असम सहित देश के कुछ हिस्सों में भले विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है लेकिन सीएए लागू किये जाने पर हिंदू-सिख शरणार्थियों में खुशी का माहौल है। पहचान मिलने की उम्मीद की खुशी में शरणार्थियों का कहना है कि यह उनके लिए पुनर्जन्म की तरह है। कई कई दशकों से भारत में रह रहे शरणार्थियों को अब उम्मीद है कि सबसे बुनियादी चीज पहचान उन्हें मिलने के बाद उनके और उनके बच्चों के लिए आगे का जीवन आसान हो जायेगा।

आज का इतिहास

1796 फ्रांसीसी क्रांतिकारी युद्ध-इटली की फ्रांसीसी सेना ने नेपोलियन ने लोनाटो की लड़ाई में एक ऑस्ट्रियाई ब्रिगेड को कुचल दिया।

1862 अमेरिकी सरकार ने अपना पहला आय कर एकत्र करने का आदेश दिया।

1870 ब्रिटिश सरकार ने ब्रिटिश रेड क्रॉस सोसाइटी की स्थापना की।

1875 डेनमार्क के लेखक हैन्स क्रिश्चियन एंडरसन का जन्म हुआ था। वह बच्चों के लिए खूबसूरत कहानियां लिखने के लिए प्रसिद्ध थे।

1886 कोलंबिया ने आज के दिन ही देश का संविधान पारित किया।

1914 इंग्लैंड ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी।

1930 यूरोप के देश बेल्जियम में छोटे बच्चो की मजदूरी के लिए कानून बनाया गया।

1944 15 वर्षीय यहूदी डायनर ऐनी फ्रैंक और उसके परिवार को एक नाज़ीस्तान गेस्टापो द्वारा एक एम्स्टर्डम गोदाम के सील-बंद क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है

1947 जापान में सुप्रीमकोर्ट की स्थापना हुई।

1961 अमेरिका के पहले अश्वेत तथा 44वें राष्ट्रपति बराक हुसैन ओबामा का जन्म होनोलूलू, हवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था।

1964 21 जून को रहस्यमय तरीके से गायब होने के बाद अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन के कार्यकर्ता माइकल श्वार्नर, एंड्रयू गुडमैन और जेम्स चेंनी मिसिसिपी में मृत पाए गए हैं।

1964 एक दूसरे अमेरिकी नेवी विध्वंसक (यूएसएस मैडॉक्स चित्र) को टोनकिन की खाड़ी में उत्तर वियतनामी बलों द्वारा कथित तौर पर हमला किया गया था, जिससे कांग्रेस दक्षिण-पूर्वी एशिया में सैन्य बल के उपयोग को अधिकृत करती है।

1974 एक नव-फासीवादी समूह द्वारा रखा गया बम बोलोग्ना-फ्लोरेंस रेलवे पर रहते हुए फ़ेरोंवी डेलो स्टेटो की एक ट्रेन में विस्फोट हो गया।

1983 थॉमस संकर अपर वोल्टा के राष्ट्रपति बने।

1984 सैन्य तख्तापलट के जरिये रिपब्लिक ऑफ अपरवोल्टा में सत्ता में आने के एक साल बाद, राष्ट्रपति थॉमस सांकरा ने अपना नामो बुर्किना फासो (ध्वज चित्र) बदल दिया।

1991 ग्रीक क्रूज़ जहाज एमटीएस ओशनोस पर एक विस्फोट ने इसकी थाह को तोड़ दिया और यह दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी तट से दूर चला गया, लेकिन सभी 571 जहाज पर बच गए।

1992 जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योही कोनो ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान महिलाओं को यौन गुलाम बनाने के लिए एक औपचारिकता जारी की।

1995 क्रोएशियाई सेना ने ऑपरेशन स्टॉर्म की शुरुआत की, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से क्रोएशियाई युद्ध की स्वतंत्रता की आखिरी बड़ी लड़ाई और सबसे बड़ी यूरोपीय भूस्खलन।

संकेतों की अनदेखी का नतीजा थी वायनाड की त्रासदी

चारु कार्तिकेय

केरल के वायनाड और आस पास के इलाके लंबे समय से भूस्खलन संभावित क्षेत्र रहे हैं. जानकारों का कहना है कि इसके बावजूद यह सुनिश्चित करने की कोई कोशिश नहीं की गई कि यहां विकास संवेदनशील तरीके से किया जा सके.

वायनाड की त्रासदी में मरने वालों की संख्या 150 के पार चली गई है. बल्कि इंडियन एक्सप्रेस अखबार की वेबसाइट के मुताबिक अभी तक कम से कम 156 लाशें मिल चुकी हैं. चलियार नदी में भूस्खलन के स्थान से कई किलोमीटर नीचे तक लाशें मिल रही हैं.

केरल की मातृभूमि वेबसाइट के मुताबिक 1,000 से ज्यादा लोगों को बचा भी लिया गया है लेकिन अभी भी सैंकड़ों लोग या तो लापता हैं या कहीं ना कहीं फंसे हुए हैं. एनडीआरएफ, सेना, राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों के 500-600 जवान बचाव कार्य में लगे हुए हैं.

संकेतों की अनदेखी

बारिश अब रुक चुकी है, जिसकी वजह से बचाव कार्य में वैसी बाधा नहीं आ रही है जैसी मंगलवार को आ रही थी. इस बीच यह समझने की कोशिश की जा रही है कि आखिर इतनी बड़ी त्रासदी क्यों हुई और भविष्य में ऐसा कुछ दोबारा होने से कैसे रोका जा सकता है. मिट्टी और गाद से भरे एक क्षतिग्रस्त मकान में मिट्टी में सनी हुई एक परिवार की तस्वीरमिट्टी और गाद से भरे एक क्षतिग्रस्त मकान में मिट्टी में सनी हुई एक परिवार की तस्वीर

कई जानकारों का कहना है कि यह सब संकेतों की अनदेखी का नतीजा है. यह पूरा इलाका इकोलॉजिकल रूप से संवेदनशील इलाका है. पूरा का पूरा पश्चिमी केरल सीधी ढलान वाला पहाड़ी इलाका है, जहां भूस्खलन की प्रबल संभावना रहती है.

2018 की बाढ़ के समय में भी यहां कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ था. 2019 में भी भूस्खलन की छोटी घटनाएं हुई थी. केरल विश्वविद्यालय में भूविज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर के एस सजिनकुमार ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि वायनाड के आस पास के इलाकों में मिट्टी के नीचे सख्त पत्थर हैं.

जब ज्यादा बारिश होती है तो मिट्टी नमी से भर जाती है, फिर वह पानी पत्थरों तक पहुंच जाता है और मिट्टी और पत्थरों के बीच बहने लगता है. इससे पत्थरों पर मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है और भूस्खलन शुरू हो जाता है.

गाडगिल समिति ने बताया संवेदनशील

शायद यही कारण है कि वायनाड में मेप्पडी पंचायत के इलाके को 10 साल पहले दो-दो समितियों ने इको-सेंसिटिव इलाका बताया था. हालांकि सरकार ने कभी इस आधार पर कोई फैसला नहीं लिया.

केरल समेत पूरे पश्चिमी घाट के संरक्षण के लिए एक रणनीति बनाने के लिए 2010 में भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था. जाने माने इकोलॉजिस्ट माधव गाडगिल के नेतृत्व में बनी इस समिति ने पूरे पश्चिमी घाट को तीन ईकोलॉजिकली सेंसिटिव एरिया (ईएसए) क्षेत्रों में बांटा.

गाडगिल समिति ने 60 प्रतिशत इलाके को सबसे ऊंची प्राथमिकता वाले ईएसए-1 क्षेत्र में रखा और कहा कि इस क्षेत्र में किसी भी तरह की विकास परियोजनाओं की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए.

यहां ना खनन होना चाहिए, ना ऊर्जा संयंत्र बनने चाहिए और ना ही कोई नए बांध बनने चाहिए. ईएसए-2 में आने वाले क्षेत्र के लिए भी ऐसी ही अनुशंसा की गई. वायनाड और आस पास का इलाका इन्हीं दोनों क्षेत्रों में पड़ता है.

इस रिपोर्ट का इन उद्योगों से जुड़े लोगों ने और राज्य सरकारों ने कड़ा विरोध किया. बाद में केंद्र सरकार ने इस समिति की रिपोर्ट को खारिज कर दिया और यही काम वरिष्ठ वैज्ञानिक और इसरो के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक नई समिति को सौंपा.

कस्तूरीरंगन समिति की रिपोर्ट

अप्रैल, 2013 में इस नई समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी जिसमें कहा गया कि पश्चिमी घाट के सिर्फ 37 प्रतिशत इलाके को ईएसए घोषित करने की जरूरत है और सिर्फ इसी इलाके में खनन आदि गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है.

इस समिति पर गाडगिल समिति की सिफारिशों को कमजोर करने का आरोप लगा, लेकिन इस रिपोर्ट ने भी वायनाड और आस पास के कुछ इलाकों को ईएसए घोषित करने का समर्थन किया. उसी साल केरल सरकार ने इस विषय पर अपनी एक समिति बनाई और इस समिति ने भी इस इलाके के बारे में यही कहा.

जब बाढ़ की वजह से आई थी केरल में तबाही

हालांकि किसी भी समिति की अनुशंसा का अभी तक पालन नहीं हुआ है. 11 साल बीत चुके हैं लेकिन किन इलाकों को ईएसए घोषित किया जाएगा इसका अभी तक यह फैसला भी नहीं हुआ है. इस समय केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की एक और समिति इस विषय पर काम कर रही है.

व्यापक दिशानिर्देशों के अभाव में पर्यावरण की दृष्टि से इतने संवेदनशील इलाके में किस गतिविधि की अनुमति दी जाए और किसे नहीं यह स्पष्ट नहीं है. ऐसे में यहां फसलें उगाने और उत्खनन से ले कर सड़क और रिसोर्ट बनाने तक सब कुछ हो रहा है.

आज भी लंबित हैं दिशानिर्देश

टाइम्स ऑफ इंडिया अखबार के मुताबिक मुंडक्कई दो दशक पहले सिर्फ एक छोटा सा गांव हुआ करता था लेकिन पर्यटन की वजह से धीरे धीरे वहां निर्माण होता गया और वह मकान और होमस्टे से भरा हुआ एक कस्बा बन गया. इस निर्माण की वजह से यहां जंगल भी खत्म हो रहे हैं और मिट्टी भी.

भूस्खलन की घटनाएं भी बढ़ रही हैं. डाउन टू अर्थ वेबसाइट के मुताबिक पिछले छह सालों में पूरे केरल में भूस्खलन में करीब 300 लोगों की जान चली गई. केरल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मानता है कि वायनाड जिले का 40 प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा भूस्खलन की आशंका वाला है.

प्राधिकरण ने चार साल पहले चेतावनी दी थी कि वायनाड में एक बड़ा हादसा हो सकता है और कहा था कि यहां से करीब 4,000 परिवारों का कहीं और पुनर्वास करवाना चाहिए. लेकिन ऐसा हुआ नहीं और इसका नतीजा वायनाड अब भुगत रहा है.

जम्हूरियत के नाम पर जमूरियत का प्रदर्शन

संजय तिवारी

अरबी के शब्द जम्हूरिया का अर्थ होता है भीड़। लेकिन इसी जम्हूरिया को इस्लामिक देशों ने डेमोक्रेसी या रिपब्लिक के रूप में परिभाषित कर लिया है। हालांकि इसका सटीक अर्थ होगा भीड़तंत्र। इस्लाम में डेमोक्रेसी या लोकतंत्र की कोई व्यवस्था नहीं है। फिर भी बीसवीं सदी में मजबूरन जिन इस्लामिक देशों ने अपने आपको रिपब्लिक या डेमोक्रेसी घोषित किया उन्होंने वहां लोकतंत्र लाने की कोशिश जरूर की लेकिन अंततः वहां लोकतंत्र की बजाय जम्हूरियत या भीड़तंत्र ही आया है। पाकिस्तान इन्हीं में से एक है।

पिछले महीने 8 फरवरी को पाकिस्तान की नेशनल एसेम्बली का एक और आम चुनाव हुआ। हर बार की तरह इस चुनाव को पर्दे के पीछे से पाक फौज ने संचालित किया। इस समय पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिफ मुनीर की इमरान खान से गहरी दुश्मनी है इसलिए चुनाव से पहले न केवल उनको 21 साल की सजा दिलवा दी गयी बल्कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इन्साफ (पीटीआई) की मान्यता भी रद्द करवा दी गयी। इमरान खान पर भ्रष्टाचार का आरोप भी है और फौज पर हमले का आरोप भी। सत्ता के लालच में जल्द चुनाव कराने को बेताब इमरान खान पिछले साल रैलियां निकालकर पाकिस्तान के एस्टेब्लिशमेंट (सत्ता पर नियंत्रण रखने वालों) पर दबाव बना रहे थे कि जल्द से जल्द चुनाव घोषित हो जाएं। लेकिन एस्टेब्लिशमेंट, जो मुख्यरूप से फौज ही है, वह इमरान खान को एक बार फिर पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनते हुए नहीं देखना चाहती थी। इसलिए नवाज शरीफ लंदन से बुलाये गये। उनको जमानत दिलवाई गयी ताकि वो चुनावी मैदान में उतरकर इमरान खान का पत्ता साफ कर सकें। सारा मैदान साफ होने के बाद भी नवाज शरीफ ऐसा करने में सफल नहीं हो सके। जिस पीटीआई की मान्यता ही रद्द कर दी गयी थी उस पार्टी के कार्यकर्ता निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर गये। मतदान के अगले दिन 9 फरवरी को मतगणना शुरु होनी थी। लेकिन शुरु हुई 10 फरवरी को। इस बीच फौज ने अपने अधूरे काम पूरे किये। फौज पर चुनाव में धांधली करने, खुद ठप्पा मारकर बैलट बॉक्स भरने का आरोप तो लगा ही था। इस देरी के बाद आरोप लगा कि नवाज शरीफ की पार्टी को विजेता बनाने के लिए फौज द्वारा मतपेटियां भी बदल गयीं। आखिरकार रिजल्ट आया तो वह चुनाव से भी ज्यादा पेचीदा था। 266 सीटों में 93 निर्दलीय जीत गये थे। ये निर्दलीय कोई और नहीं बल्कि उसी पीटीआई के वर्कर बताये गये थे जिन्होंने पार्टी सिंबल की बजाय निर्दलीय मैदान में उतरने का फैसला किया था। जिस नवाज शरीफ को फौज का संपूर्ण समर्थन था, उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज 75 सीटों पर अटक गयी और आसिफ अली जरदारी की पीपीपी 54 सीटों पर जीत के साथ तीसरी बड़ी पार्टी बन गयी। अब संकट यह खड़ा हुआ कि सरकार कौन बनायेगा? निर्दलियों की कोई सरकार नहीं होती। प्रेसिडेन्ट के सामने आखिरकार किसी न किसी पार्टी को ही अपनी सरकार बनाने का दावा पेश करना होता है। सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी पीटीआई अपना दावा पेश ही नहीं कर सकती थी क्योंकि पाकिस्तान चुनाव आयोग उसकी मान्यता ही खत्म कर चुका है। नवाज शरीफ और आसिफ अली जरदारी एक बार फिर साथ आना चाहें तो पहले साथ रहने के दोनों के अनुभव बहुत खट्टे थे। लेकिन अभी नवाज शरीफ और जरदारी की पार्टियों की एक तकनीकी जीत होना बाकी था। पाकिस्तान में यह नियम है कि नेशनल एसेम्बली में राजनीतिक दल अपनी कुल सीटों का 33 प्रतिशत महिला और कुछ मॉइनारिटी मनोनीत करते हैं। इस लिहाज से शरीफ की पार्टी के हिस्से में 19 महिला और 4 मॉइनारिटी मेम्बर आये। इमरान खान के निर्दलीय समर्थक ऐसा नहीं कर सकते थे क्योंकि उनके पास किसी पार्टी का सिम्बल नहीं था। अत: महिलाओं और माइनॉरिटी को मनोनीत करने के बाद अब नवाज शरीफ की पार्टी के 98 मेम्बर हो गये तथा जरदारी की पार्टी में 68 मेम्बर।

ट्रंप ने वेंस को क्यों चुना, उत्तराधिकार का चुनाव देता है कई संकेत

शिव शुक्ला

डोनाल्ड ट्रंप ने ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार चुना है। इससे पहले के उपराष्ट्रपति के उम्मीदवारों का चयन पार्टी की एकता को मजबूत करने, जिस प्रांत में पार्टी की स्थिति डांवाडोल हो, उसे अपने पाले में लाने और वाशिंगटन से बाहर के राष्ट्रपति को सत्ता संचालन में मदद करने के लिए चुना जाता था। इन मानदंडों पर वेंस खरे नहीं उतरते। ट्रंप ने जब वेंस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया, तो उनके मन में संभवतः 2024 ही नहीं था, बल्कि वह 2028 और उससे आगे के बारे में सोच रहे थे।

पिछली बार जब ट्रंप ने अपने साथी का चुनाव किया था, तो वह ज्यादा चिंतित थे। तब कई रिपब्लिकन, खासकर सामाजिक और धार्मिक रूढ़िवादी, उन्हें संदेह की नजर से देखते थे। ट्रंप ने तब माइक पेंस को चुना, ताकि उनका भय कम हो सके, क्योंकि पेंस के ईसाई मतदाताओं से घनिष्ठ संबंध थे। विचार यह था कि वह ट्रंप को अंदरूनी लोगों और सत्ता के बिचौलियों से निपटने में मदद कर सकते हैं। ट्रंप-पेंस की जोड़ी छह जनवरी, 2021 तक कायम रही। अब हमलावर की गोली से बाल-बाल बचने और सांविधानिक रूप से एक और कार्यकाल तक सीमित रहने के कारण ट्रंप स्वाभाविक तौर पर वफादारी और विरासत को तवज्जो दे रहे हैं।

वेंस में ट्रंप और ट्रंपवाद के प्रति काफी जोश है और इसकी संभावना नहीं है कि वह उपराष्ट्रपति निवास को आप्रवासन समर्थक और हस्तक्षेप करने वाले रिपब्लिकन का ठिकाना बनने देंगे। वह 2020 के चुनाव के बाद से ही ट्रंप के आचार-व्यवहार का अनुसरण तो कर ही रहे हैं, आलम यह है कि वह ट्रंप के दुश्मन को अपना भी दुश्मन मानते हैं। ट्रंप को वेंस की जीवनी भी पसंद आई होगी। गरीबी में पले-बढ़े वेंस 9/11 आतंकी हमले के बाद मरीन में शामिल हुए, बेस्टसेलिंग आत्मकथा लिखी और व्यवसाय में कामयाब हुए। श्रमिक वर्ग से जुड़ी उनकी जड़ें औद्योगिक पतन के शिकार इलाकों (रस्ट बेल्ट) के उन भूले-बिसरे लोगों को आकर्षित कर सकती हैं, जो ट्रंप के अभियान के केंद्र में हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण बात जो वेंस के पक्ष में जाती है, वह है उनकी उम्र। रिपब्लिकन इस साल युवा पुरुष मतदाताओं के बीच अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और वेंस पार्टी को इस बढ़ते लाभ का फायदा उठाने में मदद कर सकते हैं। रिचर्ड निक्सन जब 39 साल के थे, तो ड्वाइट आइजनहावर ने उन्हें 1952 में अपने उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए चुना था। निक्सन 22 वर्षों तक अमेरिकी राजनीति के केंद्र में रहे।

हाल ही में मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) आंदोलन में शामिल हुए वेंस ने इस वर्ष रिपब्लिकन के प्रीमियर में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली के समर्थकों की विदेश और आर्थिक नीतियों की आलोचना की थी। वेंस वाशिंगटन के लिए नवागंतुक हैं। अगस्त में वह 40 वर्ष के हो जाएंगे और अमेरिकी इतिहास में सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपतियों में से एक होंगे। सीनेट में उनके दो साल ही हुए हैं, इसलिए वह अब तक के सबसे कम अनुभवी उपराष्ट्रपति होंगे। ट्रंप उनके अनुभवी गुरु होंगे और वेंस उनके प्रशिक्षु होंगे।

आम तौर पर ट्रंप को एक धैर्यवान गुरु या दीर्घकालिक योजनाकार के रूप में नहीं देखा जाता। लेकिन हाल ही में उन्हें दोषी ठहराए जाने और उनकी हत्या के प्रयास ने इस चुनाव में दांव बढ़ा दिए हैं और इसलिए वह न केवल जीतना जरूरी समझते हैं, बल्कि कुछ स्थायी काम करना भी चाहते हैं। वेंस का चुनाव इस बात का भी संकेत देता है कि ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य को कैसे देखते हैं। यदि वेंस उपराष्ट्रपति बनते हैं, तो वह 2028 में रिपब्लिकन प्रत्याशी के लिए सबसे अग्रणी दावेदार होंगे। निश्चित रूप से उनके नामांकन को चुनौती मिलेगी, लेकिन ट्रंप चाहते हैं कि रिपब्लिकन पार्टी राष्ट्रवाद, लोकलुभावन और अमेरिका प्रथम के अपने एजेंडे पर कायम रहे।

येल लॉ स्कूल से स्नातक वेंस शायद एमएजीए के सबसे मुखर समर्थक हैं। वे वित्तीय क्षेत्र, कॉर्पोरेट एकाधिकार, मुक्त व्यापार, वैश्विक हस्तक्षेप और अवैध आव्रजन के आलोचक हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा अनुपूरक विधेयक का विरोध किया, जिसके तहत इस वर्ष यूक्रेन, इस्राइल और ताइवान को सैन्य सहायता प्रदान की गई। पिछले हफ्ते जब वेंस ने वाशिंगटन डी.सी. में राष्ट्रीय रूढ़िवाद सम्मेलन में भाषण दिया, तो उनका एक स्टार की तरह स्वागत किया गया। उन्होंने सहजता से अपनी बात रखी। उन्होंने श्रोताओं में मौजूद प्रमुख नीति विशेषज्ञों का नाम लिया, मसलन एलब्रिज कोल्बी, जो विदेश नीति को प्राथमिकता देने के समर्थक हैं, जो चीन को नियंत्रित करने के लिए विदेशी प्रतिबद्धताओं को सीमित करेगी, और ओरेन कैस, जो उदारवादी अर्थशास्त्र के आलोचक हैं।

वेंस ने रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रवादी लोकलुभावनवाद के बढ़ते प्रभाव की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भले ही हम यूक्रेन सहायता पर बहस नहीं जीत पाए, लेकिन मुझे लगता है कि यह वास्तव में मायने रखता है। उपराष्ट्रपति पद पर उनकी पदोन्नति से एमएजीए वेस्ट विंग की गारंटी होगी और घरेलू विनिर्माण तथा रक्षा औद्योगिक आधार के पुनर्निर्माण के लिए कठोर विदेश नीति और सरकारी कार्रवाई के पैरोकार?मजबूत होंगे। आप्रवासन के लिए उन्होंने सबसे कठोर शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, %अमेरिकी लोकतंत्र के लिए असली खतरा यह है कि अमेरिकी मतदाता कम प्रवासन के लिए मतदान करते रहते हैं और हमारे राजनेता ज्यादा आप्रवासन को मंजूरी देते रहते हैं। कोई भी इस बात से इन्कार नहीं कर सकता कि आप्रवासन ने हमारे समाजों को गरीब, कम सुरक्षित, कम समृद्ध और कम उन्नत बना दिया है। 'इसलिए अमेरिकी नेताओं को अमेरिका के लोगों की देखभाल करनी चाहिए।' ट्रंप ने करीब एक दशक तक वैश्विक राजनीति को प्रभावित किया है। वेंस के नामांकन से पता चलता है कि ट्रंप की शैली, उनकी नीतियां और हर जाति और नस्ल के गैर-कॉलेज-शिक्षित मतदाताओं के लिए ट्रंप की अपील आने वाले दशकों तक रिपब्लिकन पार्टी पर राज करेगी।

उत्तर प्रदेश में इस विधेयक की इतनी क्यों हो रही है चर्चा?

समीरात्मज मिश्र

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले ही दिन यानी सोमवार को संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम 2024 सदन के पटल पर रखा और अगले ही दिन मंगलवार को इसे विधानसभा ने पारित कर दिया.

इस विधेयक में तथ्यों को छिपा कर या डरा-धमका कर धर्म परिवर्तन कराने को अपराध की श्रेणी में रखा गया है और इसके लिए उम्र कैद का प्रावधान किया गया है. विधेयक में कहा गया है कि धर्म परिवर्तन के लिए विदेश और किसी भी अवैध संस्था से फंड लेना भी अपराध के दायरे में माना जाएगा और इसमें भी सजा का प्रावधान बढ़ाया गया है.

पहले किसी महिला को धोखा देकर और उसका धर्मांतरण कर उससे शादी करने के मामले में दोषी पाए जाने वाले के लिए अधिकतम 10 साल तक की सजा और 50 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान था.

विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्यों से विधेयक को पारित कराने का अनुरोध किया. हालांकि विधेयक पारित हो गया लेकिन उससे पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों ने इस विधेयक को सलेक्ट कमेटी को सौंपने का प्रस्ताव दिया. हालांकि सलेक्ट कमेटी को सौंपने के विरोध में सदस्यों की संख्या ज्यादा होने के कारण यह प्रस्ताव गिर गया.

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव फतेहपुर की चुनावी रैली में

(फाइल)समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव फतेहपुर की चुनावी रैली में (फाइल)

इस संशोधित अधिनियम में छल-कपट या जबर्दस्ती कराए गए धर्मांतरण के मामलों में कानून को पहले से सख्त बनाते हुए अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है. संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से फंसा कर उसका धर्मांतरण करने, उससे अवैध तरीके से विवाह करने और उसका उत्पीड़न करने के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है.

विधेयक के पक्ष में सरकार का तर्क है कि महिलाओं की गरिमा और सामाजिक स्थिति, महिला, एससी, एसटी आदि का अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए ऐसा महसूस किया गया है कि इसमें सजा के प्रावधानों को और सख्त बनाया जाए. विधेयक पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा था कि उनकी सरकार आने के बाद एंटी रोमियो स्क्वैड जैसे नियम बनाए गए थे और इससे मनचलों की समस्या से छुटकारा मिला है.वहीं विधेयक पेश करते हुए संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि इस बिल पर कोई विवाद नहीं है. इस बिल का मकसद उन लोगों को न्याय दिलाना है, जो अवैध तरीके से धर्म परिवर्तन के पीड़ित हैं.

भारत की राजनीति में बीते सालों में धर्म अहम होता गया है और इसके दुरुपयोग की बातें अकसर उठती हैं. इस विधेयक को लेकर कई तरह के सवाल भी खड़े किए जा रहे हैं. राज्य विधानसभा में नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडे ने इस कानून के दुरुपयोग को लेकर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा, विधेयक में झूठी शिकायत करने पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए.

माता प्रसाद पांडेय ने आशंका जताई कि इससे फर्जी मामले बढ़ेंगे. उन्होंने कानून में एक धारा जोड़ने का भी सुझाव दिया कि यदि ऐसे मामलों में अभियुक्त को निर्दोष साबित करके रिहा कर दिया जाता है तो झूठी प्राथमिकी दर्ज करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज करने का प्रावधान होना चाहिए और पुलिसकर्मियों के लिए कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान होना चाहिए ताकि ऐसे मामलों में झूठे मुकदमे दर्ज करने से बचा जा सके.

विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि कोई भी व्यक्ति डरा-धमकाकर या जान माल की हानि की धमकी देकर धर्म परिवर्तन कराता है, तो इसे गंभीर अपराध की श्रेणी में माना जाएगा. साथ ही अगर कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन के इरादे से शादी करता है या नाबालिग लड़की या महिला की मानव तस्करी करता है, तो उसे 20 साल तक की सजा हो सकती है. इस संशोधन विधेयक में एक खास बात और भी है कि धर्म परिवर्तन की शिकायत सिर्फ पीड़ित या उसके परिवार के लोग ही नहीं बल्कि कोई भी व्यक्ति कर सकता है और किसी भी थाने में इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है. इससे पहले वाले कानून में पीड़ित या उसके भाई या फिर माता-पिता ही शिकायत दर्ज करा सकते थे.

इस तरह की शिकायत होने पर ये गैर जमानती अपराध होगा और इसकी सुनवाई सेशन कोर्ट से नीचे की अदालत नहीं कर सकती है. इसके अलावा जमानत पर फैसला बिना अभियोजन को सुने नहीं दिया जा सकता है.

विधेयक के मसौदे पर सवाल उठाते हुए विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता अराधना मिश्रा मोना ने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि ये एक संवेदनशील मामला है और उन्होंने मांग की कि इस मामले में एक आयोग बनाया जाना चाहिए, जो इस बात की जांच करे कि शिकायत सही है या नहीं.

अराधना मिश्रा का कहना था, हम ये मानते हैं कि जबरन धर्म परिवर्तन एक गंभीर अपराध है. लेकिन सरकार को सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि हमेशा ये जबरन नहीं होता, कभी-कभी स्वेच्छा से भी होता है. यह राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक मुद्दा है और इस पर उसी तरह सोचने की जरूरत है.

वहीं समाजवादी पार्टी की विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर ने डीडब्ल्यू से बातचीत में कहा कि सरकार इस विधेयक के जरिए जरूरी मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है. उनका कहना था, यह विधेयक पूरी तरह से संविधान के खिलाफ है क्योंकि दो युवा यदि अपनी मर्जी से शादी करते हैं, तो उसमें किसी को क्या दिक्कत है. दूसरे, यदि उनके मां-बाप और घरवाले तैयार हैं तो किसी तीसरे व्यक्ति की शिकायत का क्या औचित्य है. यह कानून सबसे पहले नवंबर 2020 में अध्यादेश के जरिए लाया गया था जिसे साल 2021 में कानून बनाया गया. तब यह तर्क दिया गया था कि राज्य में जबरन धर्म परिवर्तन की घटनाएं हो रही हैं जो लगातार बढ़ रही हैं, शादी के बहाने लोग अपनी पहचान छिपा कर, बहला-फुसला कर शादी कर रहे हैं, जिसकी वजह से यह कानून बनाना जरूरी हो गया है.

जाह्नवी को पसंद नहीं आया ओरी का हेयरस्टाइल

अपने बोल्ड स्टाइल के लिए मशहूर ओरहान अवत्रमणि यानी ओरी ने इंस्टाग्राम पर अपना नया हेयर स्टाइल फ्लॉन्ट किया। इसके साथ ही उन्होंने 9 से 5 जॉब करने वालों पर भी तंज कसा। ओरी के हेयर स्टाइल को जब उनकी बेस्ट फ्रेंड और एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर को पसंद नहीं आया, तो बाकी लोगों को कैसे आ सकता है। नेटिजन्स ने ओरी को उनके हेयर स्टाइल और नौकरी पर तंज कसने पर ट्रोल किया। ओरहान अवत्रमणि ने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग स्टाइल में अपने हेयर लुक को फ्लॉन्ट करती तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, फ्रमैं हर शाम चेहरे पर एक लंबी मुस्कान लिए उठता हूं। और मैं निराशा या दुखी महसूस नहीं करता और हां, आप शायद अभी भी 9-5 में काम कर रहे हैं और मुझे यह सब बहुत बुरा लगता है।फ्र ओरी की इस पोस्ट ने न सिर्फ नेटिजन्स का बल्कि दोस्त जाह्नवी कपूर का भी पारा बढ़ा दिया। जाह्नवी कपूर ने ओरी की पोस्ट पर कमेंट किया, फ्रयह बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा।फ्र कई लोगों ने जॉब करने वालों पर असंवेदनशीलता और कई लोगों ने उनके हेयर स्टाइल की आलोचना की। ट्रोल्स ने हेयर स्टाइल का मजाक उड़ाया। मुर्गे से उनकी तुलना की और कुछ ने उनके फैशन सेंस पर सवाल उठाए। मीम्स और नेगेटिव कमेंट्स अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैल गए। एक यूजर ने लिखा, फ्रस्टाइलिस्ट का नाम? बताने के लिए?फ्र एक अन्य ने कमेंट किया, फ्रमुर्गे ने ओरी को काट दिया।फ्र एक और यूजर ने लिखा, फ्रभाई तुम्हारी पूरी पर्सनैलिटी 9 से 5 काम करने वाले लोगों का अपमान करने पर आधारित है। जिन नर्सों ने आपको जन्म दिया, वे 9-5 काम करती थीं, लेकिन क्या ही कर सकते हैं।फ्र हालांकि कुछ लोगों ने उनके हेयर स्टाइल को कूल बताया है। बता दें कि ओरहान अवत्रमणि यानी ओरी अपने फैशन सेंस और पब्लिक अपीयरेंस को लेकर चर्चा में रहते हैं। ओरी ने सबको अपने नए लुक से चौंका दिया। नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

मैं साधारण परिवार से हूं, मेहनत से पहचान बनाई है: कृति सेनन

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था, हर किसी की अपनी जर्नी होती है। अगर मैं एक फिल्मी परिवार से होती, तो मेरे लिए काम करना आसान होता। लोग मुझे पहले से ही जानते और मुझे जल्दी मौके मिलते। लेकिन मैं एक साधारण परिवार से हूं, इसलिए मुझे अपनी मेहनत से अपनी पहचान बनानी पड़ी। बड़े पर्दे का अब जाना माना चेहरा बन चुकीं कृति दिल्ली से हैं। उनका जन्म 27 जुलाई 1990 को दिल्ली के पंजाबी परिवार में हुआ। पिता राहुल सेनन एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, तो मां गीता सेनन दिल्ली यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की प्रोफेसर। एक्ट्रेस ने अपनी स्कूलिंग दिल्ली पब्लिक स्कूल से की और नोएडा के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग की। इसके साथ उन्होंने मॉडलिंग भी की। कृति को पहला बड़ा ब्रेक हिंदी सिनेमा में नहीं बल्कि साउथ सिनेमा में मिला। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सुपरस्टार महेश बाबू की तेलुगु थ्रिलर फिल्म नेनोक्काडाइन से की थी। बॉलीवुड डेब्यू टाइगर श्रॉफ की फिल्म हीरोपंती से किया। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर रही। इसके लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड स्टार डेब्यू ऑफ द इयर फीमेल अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह कई फिल्मों में नजर आईं, जिसमें लुका छिपी, बरेली की बर्फी, दिलवाले, राब्ता, हाउसफुल 4, पानीपत, बच्चन पांडे, आदिपुरुष, हम दो हमारे दो, भेड़िया, शहजादा, गणपत, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू जैसी फिल्मों में नजर आईं। सुपर स्टार प्रभास के साथ आदिपुरुष में भी वो जानकी की भूमिका में दिखीं। कृति ने कई स्पेशल सॉन्ग भी किए, जैसे फिल्म स्त्री के आओ कभी हवेली पे, फिल्म कलंक के ऐरा गैरा आदि शुमार। कलाकार एक्टर अपने करियर को लेकर जितनी समर्पित हैं उतना ही खुद को बिजनेस वुमन के तौर पर भी साबित कर रही हैं। कृति सेनन का फैशन और क्लोदिंग लेबल भी है, जिसका नाम मिसेज टैकन है। वह इसकी सह-मालकिन हैं। हाल ही में उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स लॉन्च किया। इस बैनर के तले पहली फिल्म जल्द ही पर्दे पर रिलीज होगी, जिसका नाम दो पत्ती है। इस फिल्म में काजोल लीड रोल में नजर आएंगी। बता दें कि बॉलीवुड की कुछ हस्तियां ऐसी भी हैं जिनको विरासत में एक्टिंग नहीं मिली है। उन्होंने अपने बेहतरीन एक्टिंग के दम पर सिनेमा में अपनी पहचान बनाई। कृति सेनन भी ऐसी ही एक्टर हैं, जिन्हें इंडस्ट्री का आउटसाइडर कहा जाता है। आज कृति अपना 34वां जन्मदिन मना रही हैं।

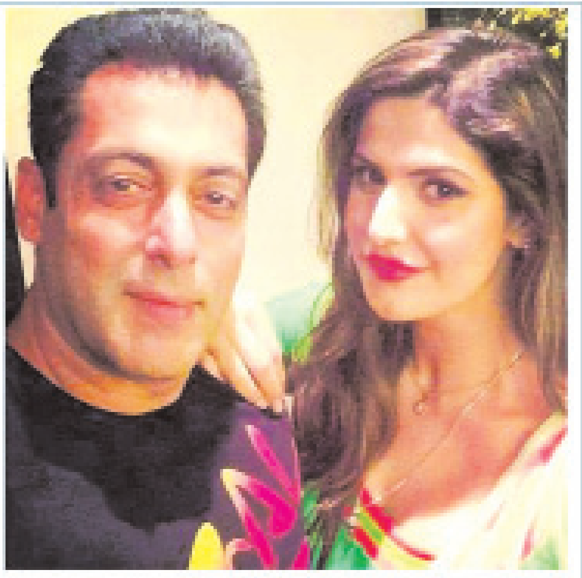

सलमान खान से बेहद डरती हैं जरीन खान

एक्ट्रेस जरीन खान ने कहा कि कैटरीना जैसी दिखने ही उनके करियर के लिए अभिशाप बन गया है इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वह सलमान खान से बेहद डरती हैं। जरीन खान को यूं तो फिल्मों में 14 साल हो चुके हैं उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म वीर से की थी। यह फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी फिल्म में लोगों ने सलमान संग उनकी जोड़ी काफी पसंद किया था फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी हिट साबित हुई थी कैटरीना कैफ जैसी दिखने की वजह से जरीन सनसनी बन गई थीं हालांकि, कैटरीना जैसी दिखना ही करियर के लिए सबसे बड़ी कमियों में से एक बन गई जरीन खान हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट शो में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर ढेर सारी बातें शेयर की इस दौरान उन्होंने बताया कि वह क्यों अपने करियर के पीक प्वॉइंट पर फ्लॉप एक्ट्रेस बन गई। जरीन खान ने इस बातचीत में खुलासा करते हुए कहा, फिल्म वीर के बाद उनकी जिंदगी बद से बदतर बन गई, मेरी बहुत आलोचना हुई। यह फिल्म मेरे लिए जिंदगी बदलने वाली पल थी। शुरुआत में मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरी तुलना कैटरीना कैफ से की जा रही है, लेकिन इंडस्ट्री में चीजें बदतर होती चली गई। मैं जहां मोटी और थुलथुली थी, वहीं कैटरीना कैफ बेहद सुंदर और अच्छी पर्सनैलिटी वाली थी। ऐसे में उनसे मेरी तुलना होती तो मैं फूले नहीं समाती थी। जरीन आगे बताती हैं कि उनका चहकना कैसे शांत हुआ और खुद को खोई हुई महसूस करने लगीं। उन्होंने कहा, मेरा ये चहकना तब शांत हो गया, जब इंडस्ट्री में इसे गलत तरीके से लिया गया। यह सब उल्टा पड़ गया। बाद में मैंने खुद को इंडस्ट्री में एक खोई हुई बच्ची जैसी महसूस करने लगी। इसके साथ ही मैं झिझक भी महसूस करने लगी थी। मैं वाकई में बहुत लोगों को नहीं जानती थी, लेकिन उन्हें लगने लगा कि मैं घमंडी हूं क्योंकि सलमान खान ने मुझे लॉन्च किया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। जरीन खान ने आगे बताया कि आलोचना ने उन पर इतना बुरा असर डाला कि एक समय ऐसा भी आया जब वह घर पर ही रहना पसंद करती थीं। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा भी था जब मैं अपने घर से बाहर निकलने से भी डरती थी क्योंकि लोग मेरे कपड़ों पर कमेंट करते थे। यह तुलना बहुत नेगेटिव तरीके से होती थी। मुझे ऐसे सारे नाम दिए गए कि एक समय तो मैं घर पर ही बैठना चाहती थी। लोगों ने मुझे फ्लॉप घोषित कर दिया था। जरीन खान आगे अपना दर्द शेयर करते हुए कहती हैं कि कैटरीना संग मेरी तुलना होने का नतीजा ये हुआ कि मुझे काम मिलना ही बंद हो गया। लोगों ने अपने दरवाजे मेरे लिए बंद कर दिए। इसका नतीजा ये हुआ कि मेरे पास बिल भरने के भी पैसे नहीं बचे। मेरी लाइफ एकदम खराब हो गई। जरीन खान ने दावा किया कि फिल्म वीर के बाद काफी दिनों तक वह बेरोजगार बैठी रहीं। उनके पास काम नहीं था। काफी दिनों बाद उन्हें फिल्म रेडी में कैरेक्टर ढीला गाने के बाद उनकी सोच बदल गई। इस गाने को करने के बाद उन्हें जो भी काम मिल रहा था, वो उसे बिना सोचे समझे करती चली गई। मैं एक अमीर घराने से नहीं आती, मैं अपने घर की अकेली कमाने वाली हूं, इसलिए उस समय, मैं अपना घर चलाने के लिए नौकरी करना चाहती थी। इतने मुश्किल समय में फिर उनके हाथ हेट स्टोरी लगी, लेकिन यह उनके जीवन का बहुत ही अजीब समय था। वह बिना कुछ समझे इसे ज्वॉइन किया था। बता दें कि जरीन खान को आखिरी बार 2021 की फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में देखा गया था। बता दें कि जरीन खान की तुलना अक्सर कैटरीना कैफ से की जाती थी।

करीना अपनी मां की तरह ईसाई धर्म करती हैं फॉलो

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर को लेकर हमेशा से लोग जानना चाहते हैं कि वो आखिर किस धर्म का पालन करती हैं। क्योंकि उनका जन्म हिंदू फैमिली में हुआ है और उनकी शादी मुस्लिम परिवार में हुई है। अब तैमूर-जेह की नैनी ने खुलासा कर दिया है कि करीना किस धर्म को मानती हैं। करीना कपूर अपने बच्चों का खास ध्यान रखती हैं। हर कोई उनकी परवरिश की तारीफ करता है। करीना अपने दोनों बच्चों को डिसिप्लेन में

रखती हैं। इस बारे में खुद एक्स नैनी ललिता डी सिल्वा ने बताया है। एक इंटरव्यू में ललिता डी सिल्वा ने करीना कपूर के बारे में बात की। उन्होंने कहा- करीना अपने बच्चों से बहुत प्यार करती हैं। वो बहुत ही डिसिप्लेन में रहती हैं और इसके पीछे की वजह उनकी मां बबीता हैं। ललिता डी सिल्वा ने आगे कहा- करीना कपूर अपनी मां की तरह ईसाई धर्म फॉलो करती हैं। वो मुझसे चर्च में गाए जाने वाले भजन को बजाने के लिए कहती थीं। उन्हें ये बहुत पसंद है। ललिता ने आगे बताया कि वो अपने बच्चों को हर धर्म के बारे में सिखाती हैं। वो कई बार मुझसे इक ओंकार बजाने के लिए भी कहती थीं। वो अपने परिवार में होली से लेकर ईद तक हर त्योहार को बहुत ही धूमधाम से मनाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो जल्द ही द बकिंघम मर्डर्स में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वो आखिरी बार फिल्म क्रू में कृति सेनन और तब्बू के साथ नजर आई थीं। बता दें कि करीना हमेशा किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनकी फिल्मों का तो फैंस को इंतजार रहता ही है साथ ही उनके बच्चों तैमूर और जेह के बारे में भी लोग जानना चाहते हैं। पब्लिक में जहां तैमूर शांत नजर आते हैं तो वहीं जेह मस्ती करते हुए दिखते हैं। करीना के बच्चों का क्यूट अंदाज देखकर फैंस भी खूब उन्हें पसंद करते हैं।

शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर शानदार वापसी की सोनाक्षी ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अपने हनीमून के लिए फिलीपींस गये थे। उन्होंने दिल्ली में इंडिया कॉउचर वीक में डिजाइनर डॉली जे के कलेक्शन के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर शानदार वापसी की। अभिनेता जहीर इकबाल से शादी के बाद सोनाक्षी का यह पहला रैंप वॉक है। सोनाक्षी के कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और फैशन की दुनिया में उनकी वापसी पर प्रशंसक प्यार बरसा रहे हैं। वॉक के दौरान सोनाक्षी खूबसूरत थाई-हाई स्लिट गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपनी मिलियन-डॉलर स्माइल बिखेरी, अपने लहराते घुंघराले बालों को खुला छोड़ा। रैंप पर सोनाक्षी पहले से कहीं ज्यादा कॉन्फिडेंट दिखीं। उन्होंने अपने चमकीले गुलाबी गाउन को केप और हील्स के साथ स्टाइल किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस इवेंट के दौरान सोनाक्षी ने जहीर के साथ अपनी शादी के बारे में भी खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, मुझे सच में लगता है कि सिंपल दुल्हनें फिर से वापस आने वाली हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे अपनी शादी का पूरा आनंद लेने की आजादी मिली क्योंकि मैं बहुत सहज थी। और मैं सांस लेने और घूमने में सक्षम थी। मैंने खुद पर कोई तनाव नहीं लिया। इसलिए मुझे लगता है कि सिंपल लेकिन खूबसूरत दुल्हन, यह निश्चित रूप से आने वाला ट्रेंड होगा। शादी समारोह के बाद इस जोड़े ने मुंबई में एक शानदार रिसेप्शन का आयोजन किया, जिसमें सलमान खान समेत इंडस्ट्री के तमाम सितारे शामिल हुए। शादी के बाद से ही जहीर और सोनाक्षी अपनी नई-नवेली जिंदगी का भरपूर लुत्फ उठा रहे हैं। इस दौरान दोनों कई जगहों पर घूमे और कई बार डिनर डेट का भी लुत्फ उठाया। सोनाक्षी सिन्हा के वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही खिलाड़ी 1080 में नजर आएंगी। यह कबीर सदानंद द्वारा निर्देशित एक एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में सोनाक्षी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा वह मल्टीस्टारर फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी इस फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगी।

जुनैद खान की फिल्म महाराज की सक्सेस पार्टी, एक्स वाइफ के संग दिए पोज

अभिनेता आमिर खान के बड़े बेटे जुनैद खान भी अब फिल्मी दुनिया में कदम रख चुके हैं। जुनैद खान की डेब्यू फिल्म 'महाराज' थी। जो 22 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसी के चलते अब आमिर खान ने बेटे के लिए एक पार्टी होस्ट की, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फिल्म का निर्माण आमिर करेंगे और इसकी शूटिंग जापान में होने की खबर है। इसके अलावा जुनैद का नाम खुशी कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में भी सामने आ रहा है। आमिर खान ने बेटे की सफलता के लिए अब घर पर सक्सेस पार्टी का आयोजन किया, जिसकी एक झलक

डायरेक्टर सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है और कैप्शन में लिखा, गुड टाइम्स और हार्ट इमोजी भी बनाया। हालांकि, रिलीज से पहले फिल्म को लेकर कई तरह की कंट्रोवर्सी भी देखने को मिली, लेकिन जब ओटीटी पर आई तो दर्शकों ने खूब प्यार भी दिया। फोटो में आमिर खान की भी झलक देखने को मिली, जिसमें कैप्शन दिया गया, जीवन भर उनका फैन रहूंगा। तब भी उनसे प्यार करता था। अब और हमेशा उनसे और भी ज्यादा प्यार करता रहूंगा। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म महाराज में जयदीप अहलावत, शालिनी पांडे और शारवरी स्पेशल भी नजर आए। महाराज की कहानी एक रियल ऐतिहासिक अदालती मामले पर आधारित है, जिसमें एक साहसी पत्रकार एक प्रतिष्ठित नेता के अनैतिक आचरण पर सवाल उठाता है। महाराज के बाद अब जुनैद खान जल्द ही साई पल्लवी के साथ सह-कलाकार के रूप में निर्देशन और अभिनय करेंगे।

बीते 6 साल से दर्शकों को निराश कर रहे हैं आमिर खान

लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले बॉलीवुड के सुपर स्टार आमिर खान बीते 6 साल से दर्शकों को निराश कर रहे हैं। हालांकि, अब लगता है कि आमिर खान एक बार फिर से नई शुरुआत करने के लिए एकदम तैयार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आमिर खान एक नई रणनीति के साथ वापसी करने का प्लान किया है।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि आमिर अपनी एक साल में एक फिल्म की रणनीति पर वापस जाने प्लान किया है। वह साल में कम से कम एक फिल्म जरूर करने की योजना बना रहे हैं। वह इसके लिए कमर कस चुके हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक लेकर यह महसूस किया कि बतौर अभिनेता और एक स्टार के रूप में वे ऐसा काम नहीं कर पा रहे हैं जैसा कि वे करते आ रहे हैं। भले ही फिलहाल पर उनकी कई फिल्में रिलीज होंगी। जैसे जेनेलिया डिसूजा के साथ 'सितारे जमीन पर' और वीर दास की 'हैप्पी पटेल' फिल्में हैं। हालांकि वे फिर से एक्टिंग की दुनिया में हाथ आजमाना चाह रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, परफेक्शनिस्ट के पास भी अपने एक्टिंग करियर के लिए भी कई बड़ी योजनाएं हैं। वह पूरे दिल से एक बार फिर से एक्टिंग की दुनिया में उतरना चाहते हैं। हालांकि, उनकी स्ट्रैटजी पहले से एकदम जुदा होगी।

याद दिला दें कि आमिर खान की फिल्में बीते 6 साल से बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पीट रही हैं। उनका ये हाल साल 2018 से अब तक जारी है। साल 2018 में आई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' जो एक भारी बजट में बनी काफी महंगी फिल्म थी, लेकिन ये दर्शकों को इम्प्रेस करने में चूक गई थी। इस फिल्म में आमिर खान के साथ अमिताभ बच्चन और कैटरीना कैफ जैसे सितारे भी थे। इस फिल्म के रिलीज के बाद आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' भी 2022 में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में नाकाम रही। इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक लेना ही उचित समझा। बीते दो साल से आमिर खान की बतौर एक्टर कोई फिल्म नहीं आई है। बता दें कि आमिर खान बतौर प्रोड्यूसर एक के बाद एक फिल्में प्रोड्यूस कर रहे हैं।

आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी हालिया रिलीज 'लापता लेडीज' को हर किसी को पसंद आई। इस फिल्म के आमिर खान की एक्स वाइफ किरण राव ने डायरेक्ट किया था। अब उनके प्रोडक्शन में 'सितारे जमीन पर', 'लाहौर 1947' और 'हैप्पी पटेल' है। मालूम हो कि 59 साल के हो चुके आमिर खान ने फिल्म इंडस्ट्री में कई सारे गोल्स स्थापित किये हैं। बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करने का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है। बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ रुपये के क्लब की शुरुआत करने का श्रेय उन्हीं की फिल्मों को जाता है। 'गजनी', '3 इडियट्स', 'पीके', 'दंगल', 'लगान' और 'दिल चाहता है' जैसी उनकी फिल्मों की तूती अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बोलती है।

मरीज को चारपाई पर लेकर पार किया नाला, मौके पर नहीं पहुंची एंबुलेंस, जानें मामला

सुकमा। सुकमा में बारिश से जनजीवन पर सीधा प्रभाव देखने को मिला है। इन सब के बीच बस्तर के सुकमा जिले से भी अलग-अलग तस्वीर निकलकर आई हैं । जिनमें से एक तस्वीर नक्सल प्रभावित पालामड़गु गांव से देखने को मिली है। जहां एक ग्रामीण 28 वर्षीय मड़कम पोदीया को उल्टी दस्त से तबियत बिगड़ने के बाद अस्पताल पहुंचाना था। लेकिन रास्ते में पड़ने वाला नाला भर जाने की वजह से एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाई। इसके बाद एंबुलेंस के पायलट शेख अकबर ने ग्रामीणों तक खबर भिजवाई फिर ग्रामीणों ने कई किलोमीटर पैदल चल मरीज को चारपाई के मदद से नाला पार कराया तब जाकर एंबुलेंस के जरिए बीमार मरीज को दोरनापाल अस्पताल लाया जा सका। गौरतलब है कि पालामडगू नक्सल प्रभावित इलाका होने की वजह से आज तक रास्ते में पड़ने वाले नाले में पुल का निर्माण नहीं हो पाया है हालांकि विभागीय सूत्र बताते हैं कि कई दफा इस पुल का टेंडर भी निकल गया। लेकिन यहां डर की वजह से काम नहीं हो पाया। पुल के अलावा इस रास्ते में सड़क भी नहीं है जिस वजह से इन इलाकों को पहुंच विहीन माना जाता है । बारिश के दोनों में यहां जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो जाता है क्योंकि नदी नाले उफान पर होते हैं। इस वजह से रोजमर्रा की जरूरत के लिए जब ग्रामीणों को इस पर आना होता है तो जान भी जोखिम में डालना पड़ता है।

ट्रेलर से टकराई तेज रफ्तार बाइक एक युवक की मौत, दो घायल

भिलाई. खुर्सीपार गेट भिलाई में सिग्नल पर बीती रात बाइक सवार तीन लोग सामने जा रहे ट्रेलर से टकरा गए. इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, वहीं उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें इलाज के लिए दुर्ग जिला अस्पताल रेफर किया गया है. पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर घटना की जांच शुरू कर दी है. खुर्सीपार थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान लोकेश चंदेल(23 साल) निवासी जांजगीर-चांपा के रूप में हुई है. लोकेश रायपुर के दलदल सिवनी में हमाली का काम करता था. वो अपने दो दोस्तों के साथ किसी काम से दुर्ग आया था. यहां से तीनों एक ही बाइक से भिलाई से रायपुर की तरह जा रहे थे. बाइक को लोकेश का दोस्त चला रहा था और लोकेश पीछे बैठा था. तीनों ने शराब पी हुई थी. नशे की हालत में बाइक काफी तेज चला रहे थे. उनके आगे आगे बड़ा ट्रेलर जा रहा था. रात 9.30 बजे के करीब जैसे ही खुर्सीपार गेट के पास सिग्नल में रेड लाइट जली, इससे ट्रेलर चालक ने ब्रेक लगाकर गाड़ी को खड़ा किया. पीछे से आ रहे बाइक चालक कंट्रोल नहीं कर पाया और बाइक सीधे ट्रेलर के पीछे टकरा गई. लोकेश के सिर में गहरी चोट आने से वो वहीं बेहोश हो गया. अस्पताल पहुंचने से पहले ही लोकेश की मौत हो गई. वहीं दो साथी घायल है, जिसका इलाज चल रहा. खुर्सीपार पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर जांच शुरू कर दी है.

पूर्व मंत्री जयसिंह की हैवी ब्लास्टिंग की शिकायत पर सरकार ने लिया संज्ञान

कोरबा। कोयला उत्खनन के लिए एसईसीएल प्रबंधन द्वारा कोरबा में संचालित कुसमुंडा खदान में हैवी ब्लास्टिंग की वजह से क्षेत्र के निवासियों के मकानों में लगातार पड़ रही दरारें, मकानों की छतों पर ब्लास्टिंग से उछलकर गिरने वाले भारी पत्थरों की वजह से नुकसान हो रहा है। इस संबंध में विषय की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के अवर सचिव खनिज साधन विभाग एम चंद्रशेखर ने 25 जुलाई को संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि जनहित में कुसमुंडा क्षेत्र के निवासियों के जान माल की सुरक्षा की दृष्टि से खदान प्रबंधन द्वारा कराए जा रहे हैवी ब्लास्टिंग पर अंकुश लगाने के संबंध में प्रकरण की जांच कर प्रतिवेदन अभिमत सहित संबंधितों के साथ साथ विभाग को उपलब्ध करवाया जाए।सरकार की पहल पर जयसिंह अग्रवाल ने उम्मीद जताई है कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने पर कुसमुंडा खदान के निकटवर्ती बसाहट वाले क्षेत्रों के निवासियों को हैवी ब्लास्टिंग से राहत मिल सकेगी। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फ़ेडरेशन का जिला स्तरीय बैठक तीन अगस्त को कर्मचारी भवन अंधरीकछार में होगा। बैठक में प्रांतीय संगठन की ओर से लिए गए निर्णय अनुसार व प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश में कार्यरत कर्मचारी अधिकारियों की चार सूत्रीय मांगों को लेकर चर्चा होगी।

मूसलाधार बारिश से रामानुजगंज स्टेट हाईवे बाधित, पुल के ऊपर से बह रहा पानी

बलरामपुर रामानुजगंज । बलरामपुर रामानुजगंज जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण रामानुजगंज वाड्रफनगर मुख्य मार्ग में सिंदूर नदी पुल के ऊपर से पानी जाने के कारण आगमन बाधित हो गया है। दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई है सभी पानी कम होने का इंतजार कर रहे हैं। जिस प्रकार से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है फिलहाल जल स्तर कम होने का आसार नहीं नजर आ रहा है ऐसे में लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ेगा। गौरतलब है कि 24 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर हैं कन्हर नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। वहीं रामानुजगंज वाड्रफनगर मुख्य मार्ग पर सिंदूर नदी पुल के ऊपर से पानी जाने के कारण दोनों ओर आगमन बाधित हो गया है। लगातार बारिश के कारण जल स्तर बढ़ ही रहा है फिलहाल तत्काल जलस्तर कम होने की स्थिति नहीं दिख रही है ऐसे में दोनों और खड़े लोग चिंतित हैं एवं पानी होने का इंतजार कर रहे हैं।

भवरमाल मार्ग भी हुआ बाधित- मूसलाधार बारिश के कारण ग्राम भवरमाल रोड भी बाधित हो गया था स्कूल के ऊपर से पानी जाने का आवगमन दोनों ओर बहुत देर तक बाधित रहा।

बेमेतरा में बारिश : डोटू नाला में बाढ़ के पानी में बहकर आया महिला का शव, जांच में जुटी पुलिस

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बीते तीन दिन से बारिश हो रहीं है। आज शनिवार को डोटू नाला एक महिला का शव मिला है। यह बाढ़ के पानी में बहकर आई है। आज सुबह शव को बाढ़ के पानी से निकाला गया। शव को पीएम के लिए भेजा गया है। इस मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। यह शव साजा थाना क्षेत्र के ग्राम बगलेड़ी-चुहका में मिली है। जानकारी अनुसार शव को सुबह ग्रामीणों ने देखा, इसके बाद पुलिस को जानकारी दी। नाला में लगातार पानी बढ़ रहा था। इस कारण यहां गोताखोत भी नहीं उतर रहे थे।

ऐसे में दुर्ग के एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया, जिसके बाद आज सुबह शव को बाहर निकाला गया है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने डोटू नाला के आसपास बसे गांव में शव के संबंध में जानकारी भेजी है।

मामले में मर्ग कायम कर जांच किया जा रहा है। बता दे कि बेमेतरा जिले में इस मानसून एक जून से 2 अगस्त तक 372 मिमी औसत बारिश हो चुकी है। सबसे ज्यादा बारिश दाढ़ी तहसील क्षेत्र में 486.2 मिमी, साजा तहसील क्षेत्र में 486 मिमी, देवकर तहसील क्षेत्र में 436 मिमी, बेमेतरा तहसील क्षेत्र में 392.3 मिमी, बेरला तहसील क्षेत्र में 366.6 मिमी, नांदघाट तहसील क्षेत्र में 309.8 मिमी, थानखम्हरिया तहसील क्षेत्र में 321.5 मिमी, भिंभौरी तहसील क्षेत्र में 280.8 मिमी व सबसे कम बारिश नवागढ़ तहसील क्षेत्र में 268.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

झमाझम बारिश से विनिका कंपनी का हाइड्रो पवार प्लांट जलमग्न, बांध से पांच फीट ऊपर बह रहा पानी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम चिकनी में विनिका कंपनी के हाइड्रो पवार प्लांट के पास महान नदी में निर्मित बांध में जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। झमाझम बारिश के आज दूसरे दिन शनिवार को बांध में करीब 5 फीट ऊपर ओवरफ्लो होने के साथ ही पावर प्लांट भी जलमग्न हो गया है। पिछले 24 घंटे में ओड़गी विकासखंड में लगभग 130 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। लबालब बांध की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए प्रशासन की पहल पर कंपनी के द्वारा कोरबा स्थिति बागों पावर प्लांट से तकनीकी अमले बुलाया गया है तथा बंद 9 गेट को खोलने के लिए पावर प्लांट के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ प्रशासन स्तर पर कड़ी मशक्कत की जा रही है। बांध में उफान देख खतरे की संभावना को देखते हुए प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए रही है। बहाव क्षेत्र की बस्तियों को खाली कराकर ग्रामीणों को अस्थाई कैंप में शिफ्ट कर दिया गया है। आज भी जिले के अधिकारी मौके पर मौजूद दिखे।

वही क्षेत्र पल पल की गतिविधियों पर अपने उच्चाधिकारियों को स्थिति से अवगत कराते नजर आ रहे है। लगातार दूसरे दिन भी झमाझम बारिश के कारण बांध के करीब 5 फीट ऊपर ओवरफ्लो होने की वजह से प्लांट के सारे उपकरण जलमग्न हो गए। जिसके कारण प्लांट से विद्युत उत्पादन पूर्णतः ठप हो गया है।

कई गांवों के डूबने का खतरा- जिले में लगातार दूसरे झमाझम बारिश होने के कारण महान नदी उफन पर है। अगर लगातार बारिश इसी तरह बरसती रही तो बांध में लगातार जल स्तर बढ़ता रहेगा। लोगों को डर है कि अगर बारिश थमी नही तो नदी किनारे के आधा दर्जन से भी ज्यादा गांव जलमग्न हो सकते हैं। हालांकि प्रशासन डूबन क्षेत्र के सारे लोगों को सुरक्षित स्थान पर ला रखी है। जिससे जानमाल के खतरे की संभावना नहीं है।

आश्रम में सो रहे छात्र पर गिरा जर्जर छत का टुकड़ा, आक्रोशित छात्रों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर की नारेबाजी, अधीक्षक पर लगाए गंभीर आरोप

दंतेवाड़ा। पोस्ट मैट्रिक छात्रावास गीदम के 50 से ज्यादा छात्र आज स्कूली ड्रेस में कलक्ट्रेट पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर कलक्ट्रेट कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने आश्रम अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाए और व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। छात्रों का कहना है कि आश्रम पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। देर रात हुई मूसलाधार बारिश के कारण छत का टुकड़ा सो रहे छात्र के ऊपर गिर गया। सौभाग्य से, मच्छरदानी लगी होने के कारण चोट गंभीर नहीं हुई, लेकिन एक छात्र के कंधे पर चोट आई है। इस समस्या को लेकर छात्र कलक्ट्रेट के सामने धरना दे रहे हैं और उनका कहना है कि बिना कलेक्टर से मिले वे वापस नहीं जाएंगे। छात्रावास की इमारत कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

छात्रों ने अधीक्षक सत्यभान भास्कर पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि अधीक्षक शराब पीता है और बच्चों के साथ गाली-गलौज करता है। अधीक्षक आए दिन आधी रात को बच्चों के कमरों में घुसकर उन्हें पीटता है। सोए हुए बच्चों को उठाकर डंडे और बेल्ट से मारता है। सभी बच्चे दहशत में हैं और हिम्मत जुटाकर आश्रम से निकले हैं। छात्रों का कहना है कि कलेक्टर से बिना मिले वे वापस नहीं जाएंगे और अगर अधीक्षक पर कार्रवाई नहीं हुई तो आश्रम में रहना मुश्किल हो जाएगा। कलेक्टर कार्यालय के बाहर बैठे छात्र नारे लगा रहे हैं, कलेक्टर साहब आओ, दर्शन दो।छात्रों ने मीडिया को बताया कि अधीक्षक की प्रताड़ना से तंग आ चुके हैं। सालों से अधीक्षक बेरहमी से पीट रहा है। आश्रम कहने को तो 100 सीटर है, लेकिन अधीक्षक ने आश्रम में कॉलेज के छात्रों को भी रखा है, जिससे भीड़ बहुत बढ़ गई है। एक बेड पर तीन-तीन बच्चे लेटते हैं। आश्रम पूरी तरह से जर्जर हो चुका है और छत से पूरी तरह पानी टपकता है। यह छत कभी भी गिर सकती है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। इस समस्या को कई बार अधीक्षक से कहा गया, लेकिन उन्होंने अनदेखा कर दिया। डर और दहशत के कारण बच्चे कभी हिम्मत नहीं कर पाए बाहर निकलकर शिकायत करने की। आश्रम में कभी कोई अधिकारी नहीं आता। बच्चे मंडल संयोजक को तो जानते तक नहीं हैं। अधीक्षक का रवैया कभी छात्रों के साथ ठीक नहीं रहा।

छात्रों के आरोप यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि मीनू के मुताबिक कभी खाना नहीं मिलता। उन्हें हल्दी और नमक वाले पानी जैसा सूप मिलता है, जिसमें कुछ दाने ही होते हैं। सब्जी भी इसी तरह की मिलती है और अंडा तो कभी नहीं मिला। आश्रम में चार्ट तो चस्पा है, लेकिन अधीक्षक मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध नहीं करवाता। इसके पीछे की वजह है कि सभी छात्र अधीक्षक डॉन से डरते हैं।

जनपद पंचायत और आदिवासी विकास विभाग से यहां पिछले तीन वर्षों में 20 लाख रुपए से अधिक का मरम्मत कार्य हुआ है। इंजीनियर खान बताते हैं कि जनपद पंचायत ने लगभग 12 लाख से टाइल्स, पुट्टी, एलुमिनियम की खिड़कियां लगवाईं और अन्य मरम्मत कार्य किए। इस कार्य को तीन वर्ष हो चुके हैं। इसके बाद आदिवासी विकास विभाग ने भी कुछ काम करवाया, लेकिन उसकी लागत की जानकारी नहीं है। आदिवासी विकास विभाग के इंजीनियर नेताम ने कहा कि इस्टीमेट बनाया गया था, लेकिन काम नहीं हुआ था। यदि वहां काम हुआ है, तो मुझे जानकारी नहीं है।

कुएं का पानी पीने ग्रामीण मजबूर, गांव में 10 लोग डायरिया से पीड़ित

बिलासपुर. जिले में डायरिया से मौत का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है. देर रात फिर मस्तूरी क्षेत्र में डायरिया से 2 वर्षीय मासूम की मौत हो गई है. बीती रात से उल्टी दस्त से पीड़ित बच्चे के परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जा रहे थे, इसी दौरान उसने दम तोड़ दिया. गांव में डायरिया के प्रकोप की आशंका पर स्वास्थ्य विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गया है. म बूढ़ीखार निवासी राजकुमार केवर्त के तीन बच्चे हैं, जिसमें दो बड़ी बेटी व एक दो साल का बेटा वीर केवर्त है. अचानक रात में बेटे को उल्टी दस्त शुरू हो गया, परिजन उसे मल्हार स्थित अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल मस्तूरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया. मस्तूरी ले जाने के दौरान बच्चे की मौत हो गई.

ग्रामीणों को नहीं मिल रहा साफ पानी- जानकारी के मुताबिक, मृत बच्चे के घर के आसपास 8 से 10 लोग डायरिया पीड़ित हैं. बुढीखार के केंवट मोहल्ला में सरकारी हैंडपंप नहीं है, इसलिए ग्रामीण गांव के एक खुले कुएं का पानी पीने के लिए मजबूर हैं. पीने का साफ पानी ग्रामीणों को नहीं मिल रहा, जिससे नल जल योजना सहित अन्य स्वच्छ जल आपूर्ति योजना के सारे सरकारी दावों की पोल खुल गई है.

बारिश से नदी-नाले उफान पर: पुल की मांग अब तक पूरा नहीं, नदी में बहने से 15 दिन में 10 लोगों की हो चुकी मौत

भानुप्रतापपुर. छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं. बच्चे जान जोखिम में डाल स्कूल जा रहे हैं. कांकेर जिले में बीते 15 दिनों में 10 लोगों की नदी-नाले में बहने से मौत भी हो चुकी है. बता दें कि कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम रानी डोंगरी प्राथमिक शाला के बच्चे 3 किमी दूर नदी को पार कर गावड़े पारा स्कूल पढ़ने जाते हैं. इस नदी को पार कर शिक्षा ग्रहण करना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है, परंतु पालकों और बच्चों की मजबूरी है.

वे अपनी जान दांव पर लगाकर स्कूल जा रहे. इस नदी पर पुल की मांग कई वर्षों से की जा रही है पर सरकार कोई सुध नहीं ले रही. पिछली सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री के भानुप्रतापपुर में हुए जनदर्शन में भी ग्रामीण पुलि की मांग कर चुके हैं.

स्कूली बच्चों के आलावा मरीजों के लिए भी यह बड़ी समस्या है. बता दें कि पूरे बरसात के समय गावड़े पारा टापू बना रहता है.

सरकार को ग्रामीणों की मांग पर विचार कर नवनिहालों की प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने की जरूरत है. क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि पुल का निर्माण जल्द किया जाए. अइसे पढ़बो तो कइसे बढ़बो.

रेंगती मौत का खतरा शहर से लेकर ग्रामीण अंचल में बढ़ा, घरघोड़ा रहवासी नाबालिग बालिका की हुई मौत

रायगढ़। वर्षा का मौसम आते ही कई प्रकार के जहरीले जीव बारिश व उमस के चलते बाहर निकलते है। जिसमे अधिक सांप का खतरा बढ़ जाता है। अब जब से बारिश शुरू हुआ है, तब से इनकी संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है। जिससे इन दिनों सर्पदंश के शिकार लगातार लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। मेकाहारा रिकार्ड की बात करे तो जुलाई माह में 95 मरीज सर्प दंश से पीड़ित होकर आए है। जबकि जून माह में इनकी संख्या 28 थी। वही देखा जाए तो जिला अस्पताल से लेकर धरमजयगढ़ लैलूंगा के अस्पताल के रिकार्ड में भी मरीज की तादात काफी है। इन सभी के बीच सर्प दंश से पीड़ित मरीज को अस्पताल पहुंचने में विलंब होने पर उनकी जान भी चली जा रही है, लेकिन ज्यादातर मरीजों को समय से एंटी स्नैक बाईट मिल जाने के कारण जान बच जा रही है। इस क्रम में सन

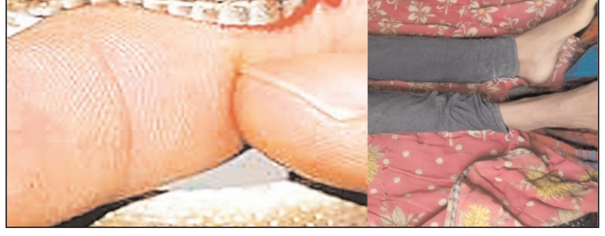

सर्पदंश से कैसे बचा जाए

1. घरों के आस-पास साफ-सफाई रखें,कोई कबाड़ न होने दें।
2. घरों में चूहे के बिलों को बंद करके रखें।
3. पानी निकासी के मार्गो पर बारीक जाली लगाए।
4. खेतों व अधिक घास वाली जगह पर नंगे पैर न चलें।
5. किसी अंधेरी जगह में जाते समय टार्च या लालटेन का प्रयोग करें।
6. घरों में यदि नीचे सो रहे है तो बीच मे सोएं या पलंग या मच्छरदानी का प्रयोग करें।
7. घरों के दरवाजों व खिड़कियों की दरारों को किसी कपड़े की सहायता से बंद करके रखें।
8. घरों में किसी बेला या पेड़ से लटकी हुई डाल को न रहने दे।

सर्प दंश के मरीज पर एक नजर- जनवरी 4, फरवरी 7, मार्च 8, अप्रैल 11, मई 25, जून 28, जुलाई 22(20 जुलाई तक)

कुमारी राठिया पिता घसिया राम उम्र 15 साल निवासी हा.मु बाहिरकेला में अपने जीजा के घर में रहकर पढ़ाई कर रही थी, 31 जुलाई दरमियानी रात लगभग 1 बजे मृतक उलटी करने लगी। घर में जाँच करने पर घर में जहरीला सांप करैत घूम रहा था । देखने पर मृतिका के बाये पैर को काट दिया था रात में ही युवती को उपचार के लिए घरघोड़ा हॉस्पिटल लाया गया था। हॉस्पिटल में उपचार के दौरान युवती कि मौत हो गई। घरघोड़ा पुलिस ने मृतक का मर्ग कायम कर जाँच विवेचना में ले लिया है साल दर साल आंकड़े भी मरीज़ो के बढ़े है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.